संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 47
पृष्ठ 8
मंगलवार
05 नवम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सूंघने में समस्या? इसे....

विचार- गांवों को भी स्मार्ट गांव....

खेल- श्रीलंका और भारत में ...

गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी भाजपा : मोदी

● भ्रष्टाचार, पेपरलीक से लेकर परिवारवाद और झूठे वादों तक, झारखंड में सोरेन सरकार पर जमकर बरसे पीएम मोदी

रांची, एजेंसी। झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य में हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सोमवार को झारखंड में दो रैलियां हैं। पहली रैली गढ़वा में हुई। गढ़वा में पीएम मोदी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद को जमकर घेरा। उन्होंने भ्रष्टाचार, पेपरलीक से लेकर परिवारवाद और झूठे वादों तक, लगभग हर मुद्दों पर हेमंत सोरेन सरकार को खरी–खोटी सुनाई। झारखंड में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी अलायंस की सरकार को उखाड़कर कमल खिलाने को आतुर है झारखंड की जनता! आपने कुछ महीने पहले दिल्ली में लगातार तीसरी बार भाजपा–एनडीए सरकार बनाई। अब झारखंड में विधानसभा का चुनाव है, हम सभी को मिलकर यहां भाजपा–एनडीए के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनानी है। मैं आज आप सबका आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज झारखंड में हर तरफ एक ही गूंज है, 'रोटी–बेटी–माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा–एनडीए की सरकार'। उन्होंने कहा कि इस समय छठ का उत्साह भी चारो तरफ दिख रहा है। मैं छठी मैया की उपासना करने वालों को अपनी

शुभकामनाएं देता हूं। झारखंड में ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब पूरा देश 'विकसित भारत' के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है यानी आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे और झारखंड भी तब 50 वर्ष का होने वाला होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा, झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि की गांरटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। मैं झारखंड भाजपा को बहुत–बहुत बधाई देता हूं कि कल झारखंड भाजपा ने बहुत ही शानदार संकल्प पत्र जारी किया है। ये संकल्प पत्र रोटी–बेटी–माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों, बेटियों के कल्याण के लिए झारखंड भाजपा के संकल्प पत्र में अनेक संकल्प लिए गए हैं। 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर महीने माताओं–बहनों को 2,100 रुपये दिए जाएंगे। गरीब परिवार की माताओं–बहनों को उज्ज्वला योजना के तहत पहले गैस कनेक्शन दिए गए, अब झारखंड में बनने जा रही भाजपा सरकार 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी इसके साथ अगले साल दीपावली और रक्षाबंधन पर दो मुफ्त सिलेंडर भी देगी। उन्होंने कहा कि हम ईमानदारी से झारखंड के विकास की हर कोशिश कर रहे हैं। जब यहां आप लोग डबल इंजन की सरकार बनाएंगे, तो राज्य का विकास भी डबल तेजी से होने लगेगा। झारखंड के नौजवानों में टैलेंट की कमी नहीं है। ये हमारे झारखंड के बेटे और बेटियां खेल के मैदान में झारखंड का जज्बा दिखाते हैं। झारखंड के युवाओं का सामर्थ्य बढ़े, उन्हें नए अवसर मिलें ये सरकार की जिम्मेदारी होती है, लेकिन जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने झारखंड के युवाओं के साथ धोखा ही किया है। पीएम मोदी ने कहा कि जेएमएम–कांग्रेस झारखंड के नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। भर्तियों में धांधली, पेपर लीक जैसे यहां का उद्योग बन गया है। सिपाही भर्ती के दौरान जेएमएम सरकार की लापरवाही के कारण कई नौजवाओं की दुखद मृत्यु हो गई। अब झारखंड भाजपा ने इस स्थिति को बदलने का निर्णय लिया है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद करीब 3 लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कल अफवाहें फैलाने का बड़ा उद्योग चल पड़ा है। कुछ लोग भांति–भांति की दुकानें खेलकर बैठे हैं और अफवाह फैलाने का माल बेच रहे हैं। आपको ऐसी किसी भी अफवाह में नहीं आना है। आजादी के बाद ही कांग्रेस की राजनीति का बहुत बड़ा आधार रहा है– जनता से झूठ बोलना, जनता को धोखा देना। ये झूठे वादे करके मतदाताओं को धोखा देते हैं। हमारे नागरिकों की आंख में धूल झोंक देते हैं। अभी हालही में हरियाणा ने इन्हें सबक सिखाया है।

कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां राष्ट्र–विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है : शेलार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आशीष शेलार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां राष्ट्र–विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। शेलार ने लोगों से महा विकास आघाडी को वोट न देने की अपील की। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष ने समाजवादी पार्टी द्वारा कांग्रेस के नेता पृथ्वीराज चव्हाण को लिखे पत्र का हवाला दिया जिसमें मुसलमानों के लिए आरक्षण और लव जिहाद के मामलों के लिए गठित समिति को रद्द करने की मांग की गई थी। उन्होंने पार्टी (कांग्रेस) पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। शेलार ने कहा, कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है वहां राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देती है। जहां भी पार्टी सत्ता में आती है, वहां सामाजिक अशांति और अस्थिरता हमेशा बनी रहती है। जम्मू कश्मीर में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले इसका उदाहरण हैं। उन्होंने लोगों से 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) वाले एमवीए गठबंधन को वोट नहीं देने की अपील की। चव्हाण को लिखे सपा के पत्र का हवाला देते हुए शेलार ने कहा, हम इस तरह की गतिविधियों को वोट जिहाद कहते हैं। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हम इस तरह के वोट जिहाद के पूरी तरह खिलाफ हैं। शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मुसलमानों को आरक्षण देने के मामले में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का क्या रुख है? भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला का तबादला देश के निर्वाचन आयोग के निर्देश पर किया गया और विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि निर्वाचन आयोग तटस्थ और निष्पक्ष है।

विमामन क्षेत्र में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं : मुर्मु

● राष्ट्रपति मुर्मु ने विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं से बात की

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की सफल महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार यह बैठक "द प्रेसिडेंट विद द पीपल " पहल के तहत हुई जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि देश के नागरिक विमानन क्षेत्र में विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 15 प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और 9 प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि

पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त करने वालों में 18 प्रतिशत पायलट महिलाएं थीं। उन्होंने उन सभी सफल महिलाओं की सराहना की जो अभिनव सोच रखती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि केन्द्र सरकार के समावेशी प्रयासों ने नागरिक विमानन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा दिया है। अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ–साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी जरूरी हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा और उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार का सहयोग भी जरूरी है। अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं। उन्होंने सफल महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें और उन्हें अपना करियर चुनने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें।

भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, इसे समावेशी बनाने और 'अंत्योदय' से प्रेरित होने पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है।श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है। औपनिवेशिक विचारों को चुनौती दी रही है। उन्होंने कहा, "भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए जो औपनिवेशिक मानसिकता से दूर हो और स्वतंत्रता के बाद हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो।" उन्होंने कहा कि अब पहले के औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'किंग्स वे' अब 'कर्त्तव्य पथ' बन गया है और 'रेस कोर्स रोड' 'लोक कल्याण मार्ग' बन गया है। नेताजी अब उस छत्र पर खड़े हैं जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया।

भाजपा नेता बीबी त्यागी ने थामा आप का दामन

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीबी त्यागी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) का दामन थाम लिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को दो बार के भाजपा से पार्षद, निगम में स्थाई समिति के अध्यक्ष और नेता सदन रह चुके बीबी त्यागी को आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि बीबी त्यागी का आप परिवार में

स्वागत है। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पार्टी मुख्यालय में श्री त्यागी को पार्टी की टोपी और पटका पहनाते हुए इसकी घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली आज एक तरफ काम करने और दूसरी तरफ काम रोकने की राजनीति देख रही है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि दिल्ली में अच्छे स्कूल, अस्पताल बने। श्री सिसोदिया ने कहा , "मैं बीबी त्यागी के काम और उनकी राजनीति को बहुत लंबे समय से देख रहा हूं। वह जमीन से जुड़े हुए नेता हैं। जब मैं खुद पत्रकार था, तो इनके क्षेत्र में ही रहता था और देखता था कि वहां एक नेता के रूप में यह किस तरह काम करते थे। मेरा भी हमेशा मन था कि बीबी त्यागी जैसी राजनीति करते हैं, उसकी सही जगह आम आदमी पार्टी में ही है।" आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है। पिछले कई दिनों से आम आदमी पार्टी परिवार में दिल्ली और दिल्ली के मुद्दों पर संघर्ष करने वाले कई बड़े–बड़े लोग शामिल हो रहे हैं।

भाजपा ने वायनाड में भूस्खलन की घटना का राजनीतिकरण किया :

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड लोकसभा सीट से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाद्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस साल जुलाई में हुई भूस्खलन की घटना का राजनीतिकरण किया। चुनाव प्रचार के दूसरे दिन की शुरुआत करते हुए उन्होंने सुल्तान बाथरी विधानसभा क्षेत्र के केनिचिरा में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "जिस आपदा से लोगों को भारी पीड़ा हुई, उसका भी भाजपा ने राजनीतिकरण कर दिया...हम एक ऐसी जगह पर खड़े हैं, जहां आपको अपने

देश, अपनी जरूरतों और आप जिस तरह की राजनीति चाहते हैं, उसके बारे में सोचना चाहिए।" भाजपा पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि पूरे देश में नफरत फैला रही भाजपा की राजनीति की पहचान क्रोध, विभाजन और बर्बादी है। उन्होंने कहा कि लोगों के समक्ष खड़े वास्तविक मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनकी समस्याएं अनसुलझी हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि बेरोजगारी अब तक के उच्चतम स्तर पर है और कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिनके रुकने का कोई संकेत नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, "राजनीति इन मुद्दों को हल करने पर केंद्रित नहीं है। भाजपा की राजनीति का उद्देश्य पूरी तरह से आपका अपनी समस्याओं से ध्यान भटकाना है, क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य सत्ता में बने रहना है, चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े।" उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भूस्खलन से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आवश्यक सहायता राशि देने में विफल रहने का भी आरोप लगाया।

चाचा-भतीजे की मौत के बाद मचा कोहराम, आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलवाने की मांग पर अड़े परिजन

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के आरा कला गांव में दीपावली के दिन विवादित जमीन पर दिया जलाने को लेकर पड़ोसियों के बीच हुई मारपीट में घायल चाचा भतीजे की मौत के बाद गांव में तनाव को देखते हुए फोर्स तैनात कर दी गई है। परिजन शवों को उठाने नहीं दे रहे हैं। आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने और आश्रितों को सरकारी नौकरी देने सहित कई मांगों को लेकर वह अड़ गए हैं। मौके पर पुलिस और प्रशासन के तमाम अधिकारी मयफोर्स पहुंच गए हैं। आरा कला के मजरे के कजरीगढ़ गांव निवासी दिलीप कुमार दुबे व पड़ोस के राम अभिलाष यादव में दीपावली के दिन विवादित जमीन पर दिया रखने को लेकर विवाद हो गया था।मारपीट में पवन कुमार दुबे के सिर पर गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े। बीच–बचाव में गए अन्य परिवार के लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया था। मारपीट में गंभीर रूप से घायल पवन कुमार उम्र (32) पुत्र राजेंद्र प्रसाद की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मारपीट में घायल पवन के चाचा जितेंद्र दुबे की

भी देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई। दो मौतों से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक जितेंद्र दुबे का देर रात पोस्टमार्टम कराया। सुबह परिजन दोनों शवों को घर पर रखकर मांग मुआवजे की मांग पर अड़ गए हैं। शव कब्जे में लेने पहुंची पुलिस से परिजनों की नोकझोंक भी हुई। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी, मुआवजा के रूप में एक शस्त्र लाइसेंस, एक नौकरी, सड़क निर्माण, घर ध्वस्तीकरण आदि मांग पर परिवार के लोग अड़े हैं। मौके पर डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत व एडीएम फाइनेंस, एसीपी फूलपुर, एसीपी हंडिया समेत कई थाने की फोर्स पीएससी बल मौजूद रही। उतरांव थाना क्षेत्र के आराकला कजरीगढ़ गांव में हुई मारपीट में दस व कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट एवं हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। पीड़ित दिलीप कुमार दुबे की तहरीर पर पुलिस रवि शंकर यादव, ध्रुव शंकर, रतन सिंह, लव कुश, राम अभिलाष, धारा सिंह, कुलदीप, विकास यादव, चिंतामणि, विपिन यादव व कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उतरांव पुलिस ने मारपीट कर हत्या का प्रयास करने के आरोप में एक पक्ष के सुनील कुमार, ध्रुव शंकर, रवि शंकर पुत्रगण राम अभिलाष और धारा सिंह व विकास यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्रयागराज में खानसामा रेस्टोरेंट पर कब्जे का विवाद: पार्टनरशिप में खुला था होटल, दोनों करोबारी लड़ेय FIR के बाद जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित रेस्टोरेंट खानसामा पर कब्जे को लेकर विवाद हो गया। पार्टनरशिप पर चलने वाले इस रेस्टोरेंट को लेकर पहले भी कहासुनी हुई थी। अब सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। राजापुर के रहने वाले करोबारी मो. महमूद सिध्दीकी ने सिविल लाइंस में केस दर्ज कराया है। उनका कहना है कि जीटीबी नगर करेली के रहने वाले हमजा के साथ उसकी पार्टनरशिप में 2016 में सिविल लाइन में एमजी मार्ग पर रेस्टोरेंट खुला। होटल में

दोनों लोगों ने बराबर से रुपए लगाए। आरोप है कि कुछ समय के बाद जब होटल अच्छा चलने लगा तो हमजा ने बेईमानी शुरू कर दी। वर्ष 2022 में महमूद और हमजा ने तय किया कि दोनों में से एक व्यक्ति ही होटल चलाए। शर्त रखी गई कि आय का 75 प्रतिशत का हिस्सेदार होटल चलाने वाला होगा जबकि दूसरे व्यक्ति को 25 प्रतिशत मिलेगा। हमजा ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए पहले खुद होटल चलाने पर राजी हुआ और उस समय के मुनाफे हिसाब से दूसरे पार्टनर यानी महमूद को 30,000ध– रुपए प्रतिमाह देने की बात तय हुई। कुछ दिन तक हमजा रकम का भुगतान ऑनलाइन करता रहा। होटल की आय बढ़ने पर भी हमजा निर्धारित राशि ही देता रहा। इस पर विवाद हुआ। महमूद का आरोप है कि जब हमजा से कहा गया कि होटल का हिसाब कर उसे वापस कर दो तो वह धमकी देने लगा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

प्रयागराज में झोले में भर ले गया रुपए और गहने: कारोबारी के घर लाखों की चोरी, CCTV में जाता दिखा चोर

प्रयागराज। प्रयागराज में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बदमाशों ने एक कारोबारी के घर का ताला तोड़कर दो लाख रुपये, लाखों के गहने पार कर दिए। घटना शहर के धूमंनगंज थाना क्षेत्र के ग्यासुद्दीनपुर महेंद्र नगर की है। वारदात रविवार की भोर अंजाम दी गई। रविवार रात कारोबारी का परिवार घर लौटा

तो उन्हें चोरी का पता चला। आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज में एक शातिर झोले में सामान लेकर जाता नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि चोरी की घटना अंजाम देने के बाद वह गहनों आदि को झोले में लेकर भागा। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। ग्यासुद्दीनपुर महेंद्र नगर में रहने वाले फूलचंद केसरवानी का परिवार कहीं बाहर गया हुआ था। इस दौरान घर खाली पाकर चोरों ने लाखों का चूना लगा दिया। दीवार फांदकर पोर्टिकों में घुसे चोर दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे और आलामारी का ताला तोड़कर दो लाख रुपये, सोने–चांदी के गहने, मंदिर में रखी चांदी की कटोरी, पीतल की मूर्तियां आदि समेट ले गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। हालांकि पुलिस यह साफ नहीं कर रही है कि गहने कीतनी कीमत के चोरी हुए। पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी में एक शातिर की तस्वीर कैद हुई है। इससे पहले चोरों ने हाईकोर्ट के वकील आजम खान के घर से लाखों का माल पार किया था। अधिवक्ता की मां को हार्ट अटैक आया था। पूरा परिवार उन्हें लेकर वाराणसी मेडिकल कॉलेज में था। इस दौरान खाली घर पाकर बदमाशों ने मेन गेट समेत छह कमरों का ताला तोड़ दिया। छह आलमारी, लॉकर, वॉडरोब, अटैची आदि का ताला तोड़कर रुपये, गहने और कीमती सामान उठा ले गए। रविवार की सुबह पड़ोसियों ने मेन गेट का ताला कटा हुआ देखा तो चोरी का पता चला। खबर पाकर परिवार वाले आनन फानन में वाराणसी से प्रयागराज पहुंच गए। अधिवक्ता आजम खान का मकान खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज में है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच और पूछताछ कर रही है। पुलिस ने सीसीटीवी भी निकलवाए हैं। आजम खान ने बताया कि एक एक कमरे, आलमारी की तलाशी ली गई है। हर कीमती सामान चोर उठा ले गए। चोरी कितने लाख की है यह हिसाब लगाया जा रहा है।

गाजियाबाद लाठीचार्ज के विरोध में न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता, प्रदर्शन और नारेबाजी की

प्रयागराज। गाजियाबाद की जिला अदालत में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज से खफा हाईकोर्ट व केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के वकील भी सोमवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे। बड़ी संख्या में अधिवक्ता हाईकोर्ट के सामने जुटे। लाठीचार्ज का विरोध करते हुए नारेबाजी की और पुतला दहन किया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यकारिणी ने घटना की निंदा की गई। साथ ही बार एसोसिएशन की ओर से गाजियाबाद के जिला जज के खिलाफ अवमानना वाद दाखिल करने का निर्णय लिया गया। कैट बार एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र नायक ने बताया कि केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के अधिवक्ता भी न्यायिक कार्य से विरत रहे। बैठक में हाईकोर्ट से गाजियाबाद के जिला जज व संबंधित पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने, घायल अधिवक्ताओं को क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद की ओर से प्रस्तावित एवं नामित अधिवक्ता प्रतिनिधि को शामिल कर उच्चस्तरीय तथ्य अन्वेषण समिति का गठन की मांग की गई है। संचालन महासचिव विक्रांत पांडेय ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे, उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, अखिलेश कुमार मिश्र, सुभाष चंद्र यादव, नीरज त्रिपाठी, नीलम शुक्ला, संयुक्त सचिव सुमित श्रीवास्तव, पुनीत शुक्ला, अभिजीत पांडेय, आंचल ओझा, कोषाध्यक्ष रणविजय सिंह, अभिषेक मिश्र आदि रहे। गाजियाबाद बार एसोसिएशन ने लाठीचार्ज की घटना की हाईकोर्ट की निगरानी में एसआईटी से जांच कराने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस पर अगले हफ्ते सुनवाई की संभावना है। याची बार एसोसिएशन के अधिवक्ता जवाहर यादव की ओर से दाखिल आपराधिक याचिका भारत के संविधान के अनुच्छेद 215 के तहत दाखिल की गई है। मांग की गई है कि जिला मजिस्ट्रेट को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। याचिका में वकीलों के खिलाफ दर्ज एफआईआर व उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। साथ ही पुलिस आयुक्त को जिला न्यायाधीश की अदालत और पूरे न्यायालय परिसर के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित करने और प्रभावी जांच के लिए इसे एसआईटी को भेजने का निर्देश देना भी शामिल है।

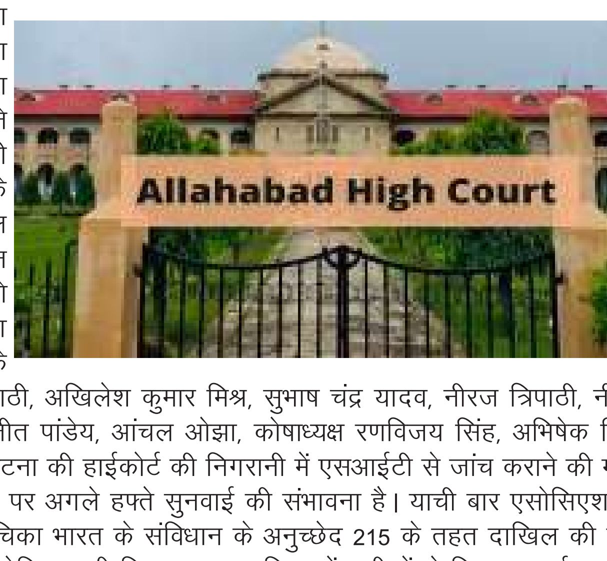

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को होंगे अमृत कलश के दर्शन, इलाहाबाद संग्रहालय तैयार कर रहा है योजना

प्रयागराज । महाकुंभ को पिछले सभी कुंभ से ज्यादा विराट, भव्य और दिव्य बनाने की तैयारी जोरशोर से की जा रही है। इलाहाबाद संग्रहालय ने महाकुंभ की भव्यता को नया रूप देने की योजना बनाई है। संग्रहालय ने महाकुंभ के दौरान कलश से टपकती अमृत की बूंद के दृश्य को प्रतिकृति के रूप में प्रदर्शित करने का फैसला किया है। भारतीय कला व संस्कृति को प्रदर्शनी के द्वारा प्रदर्शित करने के लिए बाकायदा मेला प्रशासन से लगभग 12 हजार वर्ग फिट जमीन की डिमांड भी की गई है। संग्रहालय के डिप्टी क्यूरेटर डॉ. राजेश मिश्रा के अनुसार महाकुंभ के दौरान संग्रहालय की तरफ से स्थापित अमृत कलश देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। अमृत टपकता कुंभ श्रद्धालुओं के लिए सेल्फी प्वाइंट के तौर पर विकसित किए जाने की योजना है। महाकुंभ के पौराणिक महत्व को देखते हुए ही इस बार अमृत कलश की स्थापना का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही इलाहाबाद संग्रहालय प्रयागराज ने दुनिया की पहली ऐसी वीथिका का भी निर्माण किया है, जहां सन 1857 से लेकर आजादी मिलने तक सभी प्रमुख क्रांतिकारियों की गाथा का प्रदर्शन किया गया है। जिसमें देश की आजादी के लिए लड़ने वाले गरम दल के लगभग सभी क्रांतिकारियों को प्रदर्शित किया गया है। इलाहाबाद संग्रहालय ने 90 साल की क्रांति को जीवंत रूप दिया है। यहां मंगल पांडे से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक लगभग सभी बड़े आजादी के परवानों के बारे में लोगों को जानने को मिलेगा। डिजिटल और आलेखों से बनी यह दुनिया की पहली वीथिका है, जहां एक साथ इतने क्रांतिकारियों को नमन करने और उनकी खूबियां जानने का अवसर मिलेगा। 1857 से लेकर 1947 तक देश पर न्योछावर एक एक वीर का इतिहास जानकर लोग दंग रह जाएंगे।

छह लाख नए बीएड बेरोजगारों के लिए तीन साल से कोई भर्ती नहीं, 4163 पद पर भर्ती का इंतजार कर रहे युवा

प्रयागराज। प्रदेश में हर साल सरकारी और निजी कॉलेजों से तकरीबन दो लाख बीएड बेरोजगार डिग्री लेकर निकलते हैं। पिछले तीन साल में छह लाख नए बीएड बेरोजगार इन कॉलेजों से निकले हैं। लेकिन, इनके लिए कोई भर्ती नहीं आई। वहीं, पुरानी लंबित भर्ती के लिए आवेदन कर चुके 13.19 लाख अभ्यर्थी परीक्षा तिथि घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं। राजकीय और अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों के हजारों पद खाली पड़े हैं। लेकिन, किसी न किसी वजह से इन पदों पर भर्ती अटकी है। कहीं समकक्ष अर्हता स्पष्ट न होने से भर्ती फंसी है तो कहीं पद खाली होने के बावजूद विभाग ने भर्ती के लिए अधियाचन नहीं भेजा है। अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (टीजीटी) एवं प्रवक्ता (पीजीटी) के 4163 पदों पर भर्ती के लिए ढाई साल पहले वर्ष 2022 में विज्ञापन जारी किया गया था। इनमें टीजीटी के 3539 पद हैं, जिनके लिए आठ लाख 69 हजार बीएड अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। वहीं, प्रवक्ता के 624 पदों के लिए 4.50 लाख परास्नातक अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। यह भर्ती उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को पूरी करानी है। लेकिन, अब तक परीक्षा तिथि भी घोषित नहीं की गई। इससे पूर्व वर्ष 2021 में टीजीटी–पीजीटी के 15198 पदों पर भर्ती की गई थी। पिछले तीन वर्षों से कोई नहीं भर्ती नहीं हुई है। जबकि, इस दौरान प्रदेश के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी और पीजीटी के पदों की संख्या बढ़कर 24869 पहुंच गई है। इनमें पीजीटी के 4384 पद और टीजीटी के 20496 पद शामिल हैं। विज्ञापन वर्ष 2022 की भर्ती पूरी होने के बाद टीजीटी के लिए आवेदन करने वाले 8.69 लाख बीएड बेरोजगारों में से केवल 3539 अभ्यर्थियों का चयन ही हो सकेगा और बाकी 8.65 लाख अभ्यर्थी बेरोजगार रह जाएंगे। वहीं, पिछले तीन वर्षों में जिन छह लाख नए अभ्यर्थियों ने बीएड की डिग्री हासिल की है, वे भी अगली भर्ती के लिए दावेदारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे। नई भर्ती शुरू होने तक बीएड बेरोजगारों की संख्या 15 लाख तक पहुंच जाएगी। पिछले दिनों प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने सदन में बयान दिया था कि प्रदेश के अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी–पीजीटी के 24869 पद खाली हैं। इनमें पीजीटी के 4384 पद और टीजीटी के 20465 पद खाली हैं। प्रतियोगी छात्र संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि इन रिक्त पदों पर नई भर्ती के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग से लेकर शासन तक कई बार ज्ञापन दिया गया। लेकिन, बीएड बेरोजगारों की कोई सुनवाई नहीं हुई। राजकीय विद्यालयों में भी एलटी ग्रेड शिक्षक के तकरीबन दस हजार पद खाली हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को डेढ़ साल पहले छह हजार पदों पर भर्ती के लिए अधियाचन मिला था। लेकिन, समकक्ष अर्हता स्पष्ट न होने के कारण आयोग ने विभाग को अधियाचन वापस कर दिया था। इसके बाद विभाग ने अधियाचन दोबारा नहीं भेजा। इससे पूर्व वर्ष 2018 में एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती हुई थी। बीएड बेरोजगारों को छह साल से नई भर्ती का इंतजार है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगी आजाद की पिस्टल

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस बार महाकुंभ को पहले से ज्यादा विराट और भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय देश को आजादी दिलाने वाले महान क्रांतिकारियों की जीवंत गाथा महाकुंभ के दौरान प्रस्तुत करने जा रहा है। एक ऐसी प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारत को आजादी दिलाने वाले महान नायक चंद्रशेखर आजाद की पिस्टल की प्रतिकृति का भी प्रदर्शन किया जाएगा। चंद्रशेखर आजाद की पिस्टल बमतुल बुखारा से गोली चलने के बाद इसमें धुआं नहीं निकलता था। इसलिए, अंग्रेजों को पता ही नहीं चल पाता था कि गोलियां किधर से आ रही हैं। यह कोल्ट कंपनी की .32 बोर की हैमरलेस सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल थी। इसमें एक बार में आठ गोलियों की मैगजीन लगती थी। आजाद की पिस्टल देखने के लिए बड़ी संख्या में इतिहास प्रेमी और पर्यटक आते हैं। आजाद की इस पिस्टल को प्रयागराज के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखा गया है। जिसमें यह पिस्टल, संग्रहालय की आजाद गैलरी की शोभा बढ़ा रही है।

शुरू हुई लोक आस्था के पर्व छठ की तैयारियां

प्रयागराज। लोक आस्था के महापर्व की शुरुआत पांच नवंबर को नहाय खाय के साथ होगी। पर्व के महाप्रसाद के रूप में ठेकुआ को बनाने के लिए बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में रहने वाले लोगों के घरों में तैयारियां सोमवार से शुरू हो गई है। कुछ लोग गेंहू खरीदने के लिए गल्ला बाजार पहुंचने लगे हैं तो कई लोग दीवाली से पहले ही गेंहू खरीद चुके हैं। लोगों ने अपने–अपने क्षेत्र की आटा पीसने वाली चक्की पर गेंहू पहुंचाने लगे हैं। अशोक नगर व दारागंज सहित कई क्षेत्रों में चक्की पर पहुंचे लोगों ने अपने सामने चक्की की साफ–सफाई भी करवाई।

प्रयागराज में जातीय संघर्ष, दो की मौत: दीया जलाने को लेकर यादव-ब्राह्मण भिड़ेय परिजनों ने शव रखकर किया हंगामा

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में दीया जलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि ईंट पत्थर चलने लगे। यादव पक्ष ने ब्राह्मण पक्ष को पीटना शुरू कर दिया। इसमें दो लोग घायल हो गए। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो

गई।इसके बाद परिजनों ने शव को आरोपियों के घर के बाहर रखकर हंगामा किया। जानकारी तीन थानों की फोर्स पहुंची। आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की। 5 लोगों को अरेस्ट कर लिया। अन्य की तलाश में दबिश जारी है। ये घटना उतराव थाना क्षेत्र के कजरीगढ़ गांव की है। दिलीप कुमार दुबे व पड़ोस के राम अभिलाष यादव में दीपावली के दिन विवादित जमीन पर दीया रखने को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में पवन कुमार दुबे के सिर पर गंभीर चोट लगने से वह जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े। बीच बचाव में गए अन्य परिवार के लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया था। मारपीट में गंभीर रूप से घायल पवन कुमार उम्र 32 पुत्र राजेन्द्र प्रसाद का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा था। रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, मृतक पवन के चाचा जितेंद्र दुबे की भी देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक जितेंद्र दुबे का देर रात पोस्टमॉर्टम कराया। वही सुबह परिजनों द्वारा दोनों शव को घर पर रखकर मांग पर अड़े हुए हैं। परिजनों की मांग है कि आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो तथा मुआवजा के रूप में एक शस्त्र लाइसेंस एक नौकरी, सड़क निर्माण, घर ध्वस्तीकरण व अन्य मांग की। शव घर पर रखकर भारी संख्या में लोग अपनी मांगों पर अड़े हैं। घटनास्थल पर डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत व एडीएम फाइनेंस,एसीपी फूलपुर,एसीपी हंडिया समेत कई थाने की फोर्स पीएससी बल मौजूद रही। मारपीट में 10 व कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट एवं हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। पीड़ित दिलीप कुमार दुबे की तहरीर पर पुलिस ने रवि शंकर यादव,ध्रुव शंकर,रतन सिंह,लव कुश,राम अभिलाष,धारा सिंह कुलदीप, विकास यादव,चिंतामणि,विपिन यादव व कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उतरांव पुलिस ने मारपीट कर हत्या का प्रयास करने के आरोप में एक पक्ष के सुनील कुमार,ध्रुव शंकर,रवि शंकर पुत्रगण राम अभिलाष, एवं धारा सिंह व विकास यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्रयागराज में हादसे में युवक की मौत: कार और बाइक की टक्कर में एक घायल, चौफटका पुल के पास हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज में देर रात कार की जबरदस्त टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। खुल्दाबाद के चौफटका इलाके में 18 वर्षीय गौतम कुमार पुत्र वीरेंद्र की मौत

हो गई। वह सुलेमसराय धूमनगंज का रहने वाला था। गौतम के साथ बाइक पर रहा गगन जख्मी हो गया। वह मुबारकपुर कोटवा धूमनगंज का रहने वाला है। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। धूमगंज के जयंतीपुर सुलेमसराय के रहने वाले वीरेंद्र कुमार का सबसे छोटा गौतम रविवार रात अपने दोस्त गगन के साथ बाइक से सिविल लाइंस आ रहा था। चौफटका पुल के पास तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गौतम की मौत हो गई जबकि गगन जख्मी हो गया। उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती किया गया है। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर निकल भागे। कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। गौतम की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

सिक्स लेन रोड का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के लिए मलाक हरहर से स्टैनली रोड तक बनाई जा रही सिक्स लेन रोड का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों से काम की प्रगति के बारे में ब्योरा मांगा। यहां पर गंगा के ऊपर बनने वाले केबल ब्रिज को छोड़कर शेष काम 30 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। गंगा के ऊपर स्ट्रील ब्रिज रखा जाएगा। डीएम ने अफसरों को निर्देश दिया कि स्टील ब्रिज का काम 15 दिसंबर तक पूरा करा लें। जो काम हो रहा है, उसकी गुणवत्ता का ध्यान रखें। जिससे आगे कोई परेशानी न हो। यह ब्रिज महाकुम्भ में लखनऊ और अयोध्या से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए काफी उपयोगी होगा।

'आर टी आई कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट ने जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर उठाया सवाल'

'जनता के पैसे का बन्दरबाँट बन्द करने की अपील'

प्रतापगढ़। सम्मानित जनप्रतिनिधि ही सम्मानित जनप्रतिनिधियों को दे रहे गिफ्ट और समाज में दिखावे के लिए कर रहे हैं सम्मान प्रतापगढ़ जिले में चला है रिवाज विकास के नाम पर आये पैसे की कर रहे हैं बन्दरबाट कुछ स्वार्थी जनता और कर्मचारियों को खुश कर देने से विकास हो जायेगा यह बिषय सोचनीय है।' यह बात आर टी आई कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट ने कटरा गुलाब सिंह में साथियों के साथ वार्ता करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा की 'नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह से कानूपुर जेठवारा मार्ग बनते बनते ही उखड़ना शुरू हो गई है सीसी रोड के बगल बगल मिट्टी भी नहीं डाल पाये आजतक अभी से ही पैचिंग कर रहे हैं जबकि गुणवत्ता रिपोर्ट में मानक के हिसाब से बनाया गया है। यह बिषय सोचनीय है।' 'नगर पंचायत बन जाने के डेढ़ साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी आज तक ग्राम पंचायत की सार्वजनिक परिसम्पत्तियों को संरक्षित नहीं कर पाये है सम्मानित जनप्रतिनिधि जातिवाद धर्मवाद पार्टीवाद के नाम पर लड़ते हैं चुनाव और चुनाव जीतने के बाद सब भूलकर सिर्फ अपना और अपने ईस्ट मित्र का पेट भरने में पुरा समय बिता देते हैं कैसे होगा विकास यह बिषय सोचनीय है।' 'आज की स्थिति देखकर ऐसा महसूस हो रहा है कि नगर पंचायत बनने से ग्राम पंचायत से भी बदतर स्थिति है विकास के नाम पर सिर्फ सरकारी धन का दुरूपयोग हो रहा है और आगे के चुनाव की तैयारी हो रही है सरकार सही है सरकार की सोच विकास वादी है लेकिन जनप्रतिनिधियों का रोल गलत है यह बिषय सोचनीय है।' 'सम्मानित जनप्रतिनिधियों से आग्रह है कि विकास के नाम पर आये पैसे का उपयोग जनहित में लाये और समाज में अपनी निरूस्वार्थ भूमिका निभाये निरूस्वार्थ भागीदारी से ही समाज का विकास होगा।'

'विश्वनाथ में चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ का आज नहाय खाय के साथ शुभारंभ'

'लौकी -चना का आहार कर व्रतधारी का चार दिवसीय छठ का शुभारंभ'

विश्वनाथ, असम सरू विश्वनाथ जिले में सूर्योपासना व आस्था का महापर्व की छठ पूजा का रौनक देखते ही बन रहा है। इधर जिले के सभी घाटों में स्वच्छता तथा व्रतधारियों की व्यवस्था अंतिम चरण में है। जिले के मुख्य सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर में आज श्रद्धालु छठ के सामग्री के साथ कल के नहाय खाय के लिए लौकी खरीदते दिखाई दी। विशेष बात यह है कि दूसरे दिन की तुलना बाजार सामग्री व लौकी का भाव उच्च था। इधर व्रतधारी गुरुवार को उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए नीति नियम और विधिवत रूप से कार्य में लगे हुए नजर आ रही है।साथ ही बुधवार को खरना के बाद 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ हो जाएगा।प्रायः सभी व्रतधारी के पुत्र तथा पति छठ घाट पहुँच कर छठ मईया के बेदी बनाते हुए दिख रहें हैं। विश्वनाथ चारिआलि के आमबाड़ी में स्थित श्री श्री केंद्रीय छठ पूजा घाट पर प्रायः 250 व्रतधारी और पश्चिम चाराली छठ पूजा समिति के फलफली बाकरी में प्रायः 400 व्रतधारी छठ मइया के आराधना में शामिल होगी। पूजा समिति ने व्रतियों के लिए सभी प्रकार के सुविधाएं उपलब्ध की व्यवस्था की है। सुबह व्रतधारी को पंक्तिबद्ध तरीके से पूजारी रामानंद ओझा जी ने दूध से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कराया ।घाट पर छठ पूजा का छटा छाया रहा ।उल्लेखनीय है कि असम –अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, हेलम, बेदेती , बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी ,सोतिया, ईटाखोला और विश्वनाथ घाट में भी आस्था का महापर्व छठ की तैयारी जोड़ो पर है।

उत्तराखंड सड़क हादसे पर योगी ने जताया दुख, कहा, सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में 28 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कृपा करें। आप को बता दें कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के सल्ट में एक भीषण सड़क दुर्घटना में 28 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर राहत व बचाव कार्य जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह गढ़वाल मोटर आनर्स की एक बस पौड़ी गढ़वाल के धूमाकोट से रामनगर आ रही थी। इसी दौरान खूपी के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि बस खचाखच भरी हुई थी। इसमें 35 से 40 लोग सवार थे। इस हादसे में 28 लोगों के मारे जाने की सूचना है। उपजिलाधिकारी सल्ट संजय कोहली रिपीट संजय कोहली के अनुसार अभी तक मरने वालों की संख्या 28 बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस के अंदर फंसे शवों को कटर से काट कर बाहर निकाला जा रहा है। मौके पर राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) सल्ट और रानीखेत पुलिस के अलावा प्रशासन की टीमें राहत व बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

27000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने की खबरें भ्रामक एवं निराधार : बेसिक शिक्षा विभाग

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में करीब एक लाख 37 हजार परिषदीय विद्यालय संचालित हैं। सर्वे में पाया गया कि 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल ऐसे हैं जहां 50 से भी कम छात्र हैं। सरकार ने 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को आसपास के अन्य स्कूलों के साथ मर्ज करने का फैसला लिया है। इसे लेकर जब सियासत गरमाई तो योगी सरकार बैक फुट पर आ गई और बेसिक शिक्षा विभाग ने स्पष्टीकरण जारी किया है। विभाग ने कहा कि 27000 प्राथमिक विद्यालयों को निकटवर्ती विद्यालयों में विलय करते हुए बंद करने की बात की गई है बिल्कुल भ्रामक एवं निराधार है।किसी भी विद्यालय को बंद करने की कोई भी प्रक्रिया गतिमान नहीं है। प्रदेश का प्राथमिक शिक्षा विभाग विद्यालयों में मानव संसाधान और आधारभूत सुविधाओं के विकास, शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर करने तथा छात्रों, विशेषकर बालिकाओ के, ड्राप आउट दर को कम करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इस दृष्टि से समय–समय पर विभिन्न अध्ययन किए जाते हैं। विगत वर्षों में प्रदेश के विद्यालयों में कायाकल्प, निपुण, प्रेरणा आदि योजनाओं के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति एवं सुधार हुए हैं। विभाग के लिए प्रदेश के छात्रों का हित सर्वोपरि है। गौरतलब है कि स्कूलों को बंद करने के फैसले को लेकर मायावती ने लिखा,श्श्यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकेण्डरी शिक्षा का बहुत ही बुरा हाल है जिस कारण गरीब परिवार के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा तो दूर सही शिक्षा से भी लगातार वंचित हैं। ओडिशा सरकार द्वारा कम छात्रों वाले स्कूलों को बंद करने का भी फैसला अनुचित। बसपा प्रमुख ने कहा, सरकारों की इसी प्रकार की गरीब व जनविरोधी नीतियों का परिणाम है कि लोग प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हो रहे हैं, जैसा कि सर्वे से स्पष्ट है, किन्तु सरकार द्वारा शिक्षा पर समुचित धन व ध्यान देकर इनमें जरूरी सुधार करने के बजाय इनको बंद करना ठीक नहीं।

एलडीए जोन–7 में अवैध निर्माण का बोलबाला, अधिकारी मूकदर्शक

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के प्रवर्तन जोन–7 में चल रहा अवैध निर्माण का तांडव शहर की खुली चुनौती बन गया है। प्रभावशाली बिल्डरों की अंधाधुंध निर्माण गतिविधियों ने न केवल शहर के स्वरूप को बिगाड़ा है बल्कि स्थानीय निवासियों के जीवन को भी अस्त–व्यस्त कर दिया है। सत्ता के गलियारों में बैठे अधिकारियों की मिलीभगत के बिना यह सब संभव नहीं है। नोटिस जारी करना तो महज एक औपचारिकता बनकर रह गया है। मंडलायुक्त और उपाध्यक्ष के आदेशों की खुली अवहेलना और एलडीए के नियमों की धज्जियां उड़ाना इस बात का प्रमाण है कि कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहियागंज क्षेत्र में मोर वाली कोठी और वाजपेई पूरी की दुकान के पास हो रहे अवैध निर्माणों ने तो मानो सभी हदें पार कर दी हैं। संकरी गलियों में बेसमेंट खोदकर व्यावसायिक मार्केट बनाए जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रभावशाली बिल्डरों की दबंगई के आगे प्रशासन नत–मस्तक है। सवाल उठता है कि आखिर क्यों योगी सरकार की शून्य सहिष्णुता नीति सिर्फ कागजों पर ही सिमट कर रह गई है? क्या अवैध निर्माण को बढ़ावा देने के पीछे कोई राजनीतिक साजिश है?

मायावती का भाजपा व कांग्रेस पर निशाना, कहा- चुनाव में मिथ्या प्रचार और वादों की भरमार

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भाजपा और कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर निशाना साधा और कहा कि चुनाव में मिथ्या प्रचारों व वादों की भरमार लगा रखी है। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि देश में व्यापक स्तर पर गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, साफ पानी एवं कानून व्यवस्था जैसी बुनियादी जरूरतों के अभाव से करोड़ों लोगों का जीवन त्रस्त है, लेकिन भाजपा और कांग्रेस एवं इनकी सरकारें आरोप–प्रत्यारोप तथा महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा के चुनाव के मद्देनजर फिर से रेवड़ी व वादों की घोषणाओं में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भाजपा व कांग्रेस ज्यादातर आरोप–प्रत्यारोप की नकारात्मक राजनीति में ही व्यस्त हैं तथा चुनाव में मिथ्या प्रचारों व वादों की भरमार लगा रखी है। जबकि जनता देख रही है कि इनके द्वारा किए गए पिछले वादों का कितना बुरा हाल हो रहा है। मायावती ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में चाहे कांग्रेस की सरकार हो या भाजपा की, इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे निभाए नहीं जा रहे हैं, क्योंकि इनके वादे होते ही हैं लोगों को गुमराह करने व सरकार बन जाने पर उन्हें भुला देने के लिए। यही कारण है कि खासकर हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारें वादाखिलाफी का आरोप झेल रही हैं तथा यूपी सहित भाजपा की सरकारें जनहित व जनकल्याण के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जुगाड़ की राजनीति करती नजर आती हैं। बसपा मुखिया ने कहा कि ये पार्टध्यिां कर्म को धर्म नहीं मानकर धर्म के ही कार्यक्रमों में ज्यादा व्यस्त नजर आती हैं, ये जनहित व जनकल्याण से वादाखिलाफी नहीं, तो और क्या है? यही वह कारण है कि बसपा चुनाव में जनता को गुमराह करने वाला कोई घोषणा पत्र जारी नहीं करती है, बल्कि करोड़ों गरीबों, मजलूमों व बेरोजगारों के प्रति ईमानदार कर्म को ही अपना संवैधानिक दायित्व व राजनीतिक धर्म मानकर कार्य करती है और सरकार बनने पर जनहित व जनकल्याण तथा पिछड़ेपन को दूर करने के ऐतिहासिक कार्य करके भी दिखती है। यूपी में अब तक चार बार रही बसपा की सरकार एक मिसाल है। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार ने सरकारी व गैर–सरकारी स्तर पर जितने रोजगार मुहैया कराए हैं, उतने रोजगार उसके बाद की सपा और भाजपा सरकार मिलकर भी अब तक दे पाई है। इसी प्रकार, कांग्रेस व भाजपा के पिछले अनुभवों के मद्देनजर देश की करोड़ों जनता द्वारा दोनों ही पार्टियों से यह पूछना स्वाभाविक है कि वे अपने वादों को क्यों नहीं निभाते? इसके साथ ही खासकर महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा आम चुनाव दौरान लोगों की यह मांग भी शत प्रतिशत जायज है कि उन्हें रेवड़ी नहीं रोजगार चाहिए।

राहुल गांधी यूपी आयेंगे लेकिन अखिलेश के प्रत्याशियों के लिये वोट नहीं मांगेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों के लिये उपचुनाव की तारीखें करीब आ रही हैं। बीजेपी और सपा दोनों की ही तरफ से जीत के बड़े–बड़े दावे किये जा रहे हैं। वहीं बसपा भी एक बार फिर से उम्मीद की किरण जगाये हुए है, लेकिन ऐन चुनाव से पहले रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे से समाजवादी पार्टी के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार 05 नवंबर को रायबरेली आ रहे हैं, परंतु वह उपचुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के लिये कोई जनसभा नहीं करेंगे। कांग्रेस आलाकमान द्वारा राहुल के इस दौरे को फिलहाल उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव से अलग रखा जा रहा है। यह बात समाजवादी पार्टी को रास नहीं आ रही है। उसे लगता है कि इससे फील्ड में सपा प्रत्याशियों के खिलाफ मैसेज जायेगा। प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के बीच राहुल के दौरे को लेकर उम्मीद की जा रही थी कि वह इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों का प्रचार भी करेंगे, लेकिन उनके इस दौरे में फिलहाल उपचुनाव के प्रचार को शामिल नहीं किया गया है। यूपी उपचुनाव के समय राहुल के दौरे को राजनीति के कुछ जानकार कांग्रेस की सोची समझी सियासी चाल भी बता रहे हैं। गौरतलब हो, प्रदेश में गठबंधन की सहयोगी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर लंबे समय तक चली खींचतान के बीच अधिकतर सीटों पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी थी। इससे कांग्रेस में नाराजगी देखने को मिली थी। उसने चुनाव लड़ने तक से इंकार कर दिया। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यह कहना शुरू कर दिया था कि मामला सीटों के बंटवारे का नहीं बल्कि इस बात का है कि कौन प्रत्याशी चुनाव जीत पायेगा। इसी आधार पर सपा ने सभी नौ सीटों पर प्रत्याशी उतार दिये। बता दें सपा कांग्रेस को दो सीटें दे रही थी, जबकि कांग्रेस दो से ज्यादा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की इच्छुक थी। नतीजतन कांग्रेस ने सपा के लिए सभी सीटें छोड़ दी। ध्यान देने वाली बात है कि उपचुनाव के प्रचार के लिए 10 से भी कम दिन बाकी रह गए हैं। राहुल गांधी इन्हीं दिनों में रायबरेली के दौरे पर होंगे लेकिन

उपचुनाव से इस दौरे का कोई संबंध न होना सपा और कांग्रेस के बीच के मनमुटाव को दर्शा रहा है। कहीं ऐसा तो नहीं कि सीटों के बंटवारे ने इन दोनों पार्टियों के गठजोर को बांट दिया है। अब आगे देखना होगा कि सपा के सहयोगी पार्टी के नेता राहुल गांधी कब तक उपचुनाव से दूरी बनाए रखते हैं। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि राहुल गांधी यूपी आयेगें जरूर लेकिन इंडिया गठबंधन यानी सपा के प्रत्याशियों के लिये वोट नहीं मांगेगे। वैसे पता यह चला है कि राहुल गांधी रायबरेली में जिला प्रशासन व अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद राहुल तेलंगाना चले जाएंगे। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार राहुल के इस दौरे को फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है।

संक्षिप्त

मोहनलालगंज तहसील में काम ठप वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में हड़ताल

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी की मोहनलालगंज तहसील में सोमवार को कामकाज ठप रहा। गाजियाबाद में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बार एसोसिएशन सदस्यों ने न्यायिक कार्य नहीं किए। इसके चलते विधिक कार्य के लिए आए ग्रामीणों को वापस लौटना पड़ा। मोहनलालगंज तहसील परिसर में बार एसोसिएशन की बैठक अध्यक्ष कौशलेन्द्र शुक्ला और महामंत्री राम लखन यादव की उपस्थिति में सुबह हुई। इसमें लाठीचार्ज की निंदा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आज वकील न्यायालय में कार्य नहीं करेंगे। वहीं विरोध को अपनी आवाज देने के लिए वकील हड़ताल पर रहेंगे। अध्यक्ष ने वकीलों पर हुए लाठीचार्ज की घटना को न केवल अवैध बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। इसे वकीलों की गरिमा और उनके कार्य में हस्तक्षेप माना। महामंत्री राम लखन यादव ने कहा वकीलों पर इस प्रकार के बल प्रयोग का विरोध जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं सामने नहीं आए। हड़ताल के कारण न्यायालय में न्यायिक कार्य ठप रहे। इस निर्णय के चलते वकीलों ने अपने मामलों की सुनवाई को स्थगित करने का फैसला किया है। न्यायालय के अन्य कर्मचारियों ने भी इस घटना पर समर्थन जताया। मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के अनुसार, इस हड़ताल का मकसद केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि वकीलों की सुरक्षा, उनके अधिकारों और गरिमा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। वकीलों का कहना है कि प्रशासन को इस मामले पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए। जिन पुलिसवालों ने वकीलों पर लाठीचार्ज किया था। उनको सस्पेंड किया जाना चाहिए।

विधानसभा के सामने महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिस ने रोका

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में सोमवार सुबह विधानसभा के सामने एक महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया। वहीं पुलिस की सतर्कता ने महिला की जान बचाई गई। हालांकि समय रहते उसको पकड़ लिया गया, जिससे वह खुद को आग लगाने से बच गई। फिलहाल पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है। वहीं, हजरतगंज पुलिस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। राजधानी के हजरतगंज इलाके में विधान भवन के सामने सोमवार सुबह 40 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास किया, हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने उसे बचा लिया। पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा एक बयान में कहा गया, ''गाजियाबाद जिले के लोनी थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला ने आज सुबह 11 बजकर 25 मिनट पर हजरतगंज थाना क्षेत्र में विधानसभा मार्ग पर आत्मदाह का प्रयास किया। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे समय रहते बचा लिया। इसमें कहा कि इसके बाद उसे थाने लाया गया और पूछताछ की जा रही है। बयान के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गांव में उसकी पुश्तैनी जमीन पर दूसरे गांव वाले द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत को लेकर वह यहां पहुंची थी।

डिप्टी कमिशनर के फ्लैट में लगी आग, 7वीं मंजिल पर खिड़की तोड़कर घुसी दमकल टीम

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के विभूतिखंड स्थित सूर्या अपार्टमेंट के बंद फ्लैट में आग लग गई। घटना के दौरान घर पर कोई नहीं था। घर से धुआं और लपटें देख लोगों ने दमकल को सूचना दी। फ्लैट बंद होने से दमकल कर्मियों ने खिड़की–दरवाजे तोड़कर 30 मिनट में काबू पा लिया। घर का सारा सामान जल गया है। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताई जा रही है। आग सूर्या लेक व्यू अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर 705 फ्लैट में लगी थी। फ्लैट इनकम टैक्स के डिप्टी कमिशनर वेंकेटेश्वर का है। लोगों ने बालकनी से लपटें उठती देखे तो भगदड़ मच गई। जा कर देखे तो बाहर से गेट बंद था। लोगों ने दमकल के साथ डिप्टी कमिशनर को भी घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पहुंचे दमकलकर्मियों ने पहले पूरे टावर की लाइट बंद कराई। फ्लैट के दरवाजे को तोड़ा। होज पाइप से आग को बुझाने का प्रयास किया। धुआं भरने के कारण आग बुझाने में दिक्कत आ रही थी। हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फ्लैट मालिक वेंकेटेश्वर ने बताया कि वह फ्लैट बंद कर अपनी पत्नी को बैंक छोड़ने के बाद दफ्तर चले गए थे।

दीप जले सुख– शांति पाने के लिए

देश की समृद्धि को बढ़ाने के लिए,
एकता अखंडता को पाने के लिए।
विश्व को यशस्वी बनाने के लिए,
दीप जले सुख– शांति पाने के लिए।

गृह– गृह दीपों की कतार सजेगी,
कण – कण में मॉ लक्ष्मी की ज्योति जलेगी।
रोग – शोक ताप को भगाने के लिए,
दीप जले सुख– शांति पाने के लिए।

कोना– कोना देश का प्रकाशमान हो,
हिंदू– हिंदी हिंद का भी खूब मान हो।
राग – द्वेष दंभ को मिटाने के लिए,
दीप जले सुख– शांति पाने के लिए।

रवि – शशि जब तक द्युतिमान हों,
सारे विश्व में सनातन का सम्मान हो।
उर की ड्योढी पर अल्पना सजाने के लिए
दीप जले सुख शांति पाने के लिए।

पावन –पुनीत सभी आचरण करें,
भूषण का रूप सभी दूषण धरें।
चाटुकारिता को सुलझाने के लिए,
दीप जले सुख– शांति पाने के लिए।

जीवन सभी का ज्योतिर्मय हो,
उर से अज्ञानता का क्षय हो।
वसुधा को स्वर्ग बनाने के लिए,
दीप जले सुख– शांति पाने के लिए।

अनामिका तिवारी 'अन्नपूर्णा'

सम्पादकीय.......

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है। संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच–नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है। महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,षगांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।

गांवों को भी स्मार्ट गांव में तब्दील किया जाए

संजीव ठाकुर

आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है।

विदेश की तरह भारत में भी अनेक शहरों को स्मार्ट सिटी का दर्जा देकर सारी सुविधाएं दी जा रही है हमें अब चाहिए कि गांव को भी स्मार्ट गांव में तब्दील उसे विकास की मुख्य धारा में लाया जाए। विदेशी गांवों की तर्ज पर ही भारत देश के गांव के भी विकास की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सकेस जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्धा हो सकेस और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे–बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके। आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है। पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के गांवों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैस यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ–साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों,10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है। नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान–प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा ।इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा। देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा ।परंतु इस नई परियोजना को मूर्त रूप देने में कई विघ्न बाधाएं एवं चुनौतियां भी हैं। जनता निर्विवाद रूप से कठिनाइयों से निपटने के बाद ही सपनों के शहर को बस बसाना आसान होगा। इन प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए शहरी तथा ग्रामीण कानूनों में भी परिवर्तन आवश्यक होगा। यदि देश का प्रत्येक नागरिक सरकार के अधीन प्रोजेक्ट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग देकर अपना योगदान दें, तो निश्चय ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट सिटी निर्मित हो सकेगी। और आम नागरिकों को जन सुविधाओं के साथ भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ जाएगा।

पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण से होता बुरा हाल

दीपावली के बाद बड़े मेट्रोपॉलिटन शहरों जैसे दिल्ली,मुंबई,कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद जैसे शहरों में पर्यावरण तथा वायु प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा हो गया है। मेरा कतई यह आशय नहीं है कि हमें दीपावली नहीं माननी चाहिए जरूर माननी चाहिए, जोर जोर से मनानी चाहिए एवं संपूर्ण धार्मिकता तथा आस्था के साथ बनाना चाहिए। दीपावली मुख्यतः दीपों और रोशनी का का पवित्र त्यौहार है पर उसके दूसरे पहलू में अंधाधुंध पटाखे और बम फोड़ने से होते प्रदूषण पर भी हमें ध्यान रखना होगा एवं इसके उपचार के लिए सदैव प्रयासरत भी होना होगा। दिल्ली वैसे भी देश और दुनिया का सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना जाता है इसके बाद कोलकाता तथा मुंबई का नंबर भी आता है पटना शहर की जनसंख्या एवं घरों की बसाहट अधिक होने से वाहन प्रदूषण की स्थिति अत्यंत कमजोर है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है ।पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा की भारत जैसे विकासशील देश को नितांत आवश्यकता है। जहां देश के वार्षिक बजट का बड़ा हिस्सा पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने हेतु खर्च किया जाता है। अपने देश में दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहर हैस इसके बाद अनेक राज्यों की राजधानियां भी प्रदूषण में एक दूसरे को टक्कर दे रही हैं,दिल्ली मे तो प्रदूषण बेचारा केंद्र और राज्य की राजनीति का शिकार हो गया है ,दिल्ली प्रशासन और केंद्र शासन एक दूसरे पर पर्यावरण तथा यमुना नदी के प्रदूषण पर आरोप–प्रत्यारोप कर रहे हैं पर प्रदूषण कम करने के उपाय ऊपर हाथ में हाथ धरे बैठे हैं ।अमूमन यही स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी हैस इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता हैस खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी हैस अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैस बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला हैस राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही हैस विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता हैस शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना हैस यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई हैस इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगास टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगीस पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगास इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं हैस पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगीस इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है,इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है षप्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहींष निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है,प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता हैस यह बात जितने जल्दी मनुष्य को, देश और पूरे विश्व समुदाय को जितनी जल्दी समझ में आ जाए उतना ही आर्थिक तथा पर्यावरण के संतुलन के विकास के लिए शुभ संकेत होंगेस आर्थिक विकास के वर्तमान संदर्भ को देखें तो यह बात बड़ी विचित्र किंतु सत्य प्रतीत होती है कि जब एक समुदाय को कुर्बान करने के लिए दूसरे समुदाय को लाभ पहुंचाया जाता है आर्थिक विकास के लिए योजनाएं कहीं बनती हैं, विस्थापित लोग कहीं और होते हैं और बिजली और अन्य सुविधाएं किसी अन्य जगह से आती है, जिसके परिणाम स्वरूप आर्थिक और पर्यावरण के संतुलन में अनेक विसंगतियां जन्म लेती हैं, और इससे सामाजिक आर्थिक संतुलन भी बिगड़ने की संभावना बलवती होती हैस मनुष्य की स्पृहा, कामना और लालच के सामने प्रकृति भी निरुत्तर होती दिखाई दे रही है। प्रकृति के समर्पण में जो विसंगतियां और दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहे हैं उनमें जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, बढ़ते ओजोन छिद्र ,बढ़ता जलवायु परिवर्तन, पिघलते ग्लेशियर तथा बढ़ता समुद्री जल हम सबके लिए नई समस्याओं को जन्म देने का काम कर रहे हैंस आपको ऐसा नहीं लगता कि हमारे प्रकृति विरोधी कर्मों से हमारे जीवन का अस्तित्व ही खतरे में आने लगा हैस इसी तरह के अनेक आसन में खतरों से निपटने के लिए आर्थिक विकास के नए मॉडलों को पर्यावरण के संतुलन के साथ जोड़ने का विकल्प हम सबके लिए एक जीवन उपयोगी मार्ग बनता नजर आ रहा हैस प्रकृति के असंतुलन दोहन का सर्वोत्तम उदाहरण यूरोप के विकसित देश है जिनकी पर्यावरण असंतुलन के प्रति उदासीनता की भयावह कीमत विकासशील तथा समुद्री क्षेत्रों में सीमावर्ती तथा अल्प विकसित देशों को चुकानी पड़ रही हैस हमें वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास को पर्यावरण संतुलन बनाने की दिशा में सामूहिक रूप से कारगर उपाय खोज कर संपूर्ण विश्व को ग्लोबल वार्मिंग और इसके गहरे परिणामों से सुरक्षित रखना होगा, विशेषकर उन अल्प विकसित एवं विकासशील राष्ट्रों को जिनकी जनसंख्या अग्रणी देशों में गिनी जाती है. पर्यावरण संतुलन तथा आर्थिक विकास के ढांचे को विकसित करने के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध नहीं है।

भारत–कनाड़ा विवाद में तीसरी भूमिका

प्रेम शर्मा

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के बीच जारी कूटनीतिक विवाद और गहराता जा रहा है। पिछले दिनों कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मारीसन की तरफ से इस मामले में संसदीय समिति की एक सुनवाई के दौरान भारत के गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए जाने को भारत ने बेहद गंभीरता से लिया है। इस मामले में एक दिन पहले कनाडा के भारतीय उच्चायोग के प्रतिनिधि को विदेश मंत्रालय में समन कर भारत ने कड़ा रोष जताया। विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में एक राजनयिक नोट भी सौंपा है। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि मौजूदा ट्रूडो सरकार राजनीतिक एजेंडे के तहत काम कर रही है और वह जो कदम उठा रही है उससे दोनों देशों के रिश्तों पर गहरा नकारात्मक असर होगा। कनाडा बेवजह भारत की छवि धूमिल करने में जुटा है ।पिछले साल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत के एजेंट शामिल थे। इस विवाद की वजह से दोनों देश एक दूसरे के कुछ राजनयिकों को निकाल चुके हैं। कनाड़ा और भारत विवाद में तीसरी भूमिका इसलिए दिखाई पड़ती है क्योकि अभी इस विवाद के कारण माहौल गर्माया ही था कि इस बीच अमेरिका के न्याय विभाग ने एक हत्या की साजिश रचने के मामले में कथित भारतीय सरकारी कर्मचारी विकास यादव पर आरोप तय कर दिए हैं। न्याय विभाग ने बताया कि विकास यादव के साथ कथित तौर पर हत्या की साजिश में शामिल एक और व्यक्ति 53 वर्षीय निखिल गुप्ता को पहले ही अमेरिका को प्रत्यर्पित किया जा चुका है. अमेरिका का कहना है कि विकास यादव फरार हैं। यही नही इस मामले में चीन के सरकारी अखबार ने जिस तरह के बयान जारी किए है उससे भी यह आभास होता है कि चीन का रवैया इस मामले में सुस्पष्ट नही है। इसलिए कनाड़ा भारत के बीच इस विवाद से इन दोनों देशों को क्या फायदा होगा यह भी विचारणीय है। अगर आपको कुछ दिन पहले की बात याद हो, तो अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने भी कहा था कि भारत को कनाडा के साथ सहयोग करना चाहिए। यही बात यूके के फॉरेन मिनिस्ट्री ने भी दोहराई। फाइव आइज के सदस्य अमेरिका और यूके भारत को कह रहे हैं कि आप सहयोग करें। इसका मतलब ये है कि ये मामला सिर्फ कनाडा की घरेलू राजनीति का नहीं है, बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी गंभीरता से लिया जा रहा है। सिख अलगाववाद का मुद्दा केवल कनाडा तक सीमित नहीं है। याद करे कि 1985 में एयर इंडिया बम धमाके के बाद भी भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई थी। कना डा ने कई बार ऐसे मामलों में दोषियों को भारत को सौंपने से इंकार किया है। ऐसा ही मामला यूके में भी है, जहां भारत ने एक लिस्ट दी थी, जिसमें कई वांटेड लोग थे, लेकिन यूके ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। तो ये मुद्दा केवल कनाडा तक सीमित नहीं है। बल्कि यूके, पाकिस्तान, और कई अन्य जगहों पर भी फैला हुआ है। कनाडा से जुड़े मामले को फाइव आइज देश अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, और न्यूजीलैंड ने चिंताजनक स्थिति बताया है। हालांकि कई देश बिना भारत का नाम लिए कनाड़ा के पक्ष में है जो भारत के लिए चिन्ताजनक है। ऐसे में भारत के सामने कनाड़ा में रहने वाले भारतीय एवं व्यापार को देखते हुए बड़े ही सर्तक तरीके से इसका हल निकालना होगा। कनाडा में भारतीयों की संख्या करीब 18 लाख है और कनाडा की आबादी में भारतीयों की हिस्सेदारी 5 फीसदी के करीब है। साल 2011 में कनाडा में भारतीय मूल के लोगों की संख्या 18 लाख थी। साल 2013 से 2023 के बीच कनाडा में प्रवास करने वाले भारतीयों की संख्या 32,828 से बढ़कर 139,715 हो गई है. यानी, इस अवधि में भारतीयों की संख्या में 326 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैं। इसी तरह भारत और कनाडा के बीच व्यापार और निवेश के संबंध, दोनों देशों के बीच के बहुआयामी संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। 2022 में, वस्तुओं के दो–तरफा व्यापार का मूल्य 871.5 अरब रुपये था। जिसमें भारत के निर्यात का हिस्सा 531.2 अरब रुपये और आयात का हिस्सा 340.3 अरब रुपये था। मतलब यह कि इस विवाद से केवल कनाड़ा को ही नही भारत को भी इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। ताजा घटना क्रम में कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार नथाली ड्रोइन, उप–विदेश मंत्री डेविड मॉरीसन व कनाडा के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों ने वाशिंगटन पोस्टश् की लीक रिपोर्ट की पुष्टि की, जिसमें आरोप लगाया गया कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादियों को निशाना बनाने के अभियान के पीछे भारत के गृह मंत्री शाह का हाथ था. डेविड मॉरीसन ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट को शाह के नाम की ''पुष्टि'' की है. उन्होंने कहा, ''पत्रकार ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या यह वही व्यक्ति है. मैंने पुष्टि की कि यह वही व्यक्ति है। कनाड़ा यही नही रूका बल्कि ''कनाडा ने पहली बार भारत का नाम साइबर खतरा पैदा करने वाले देशों की सूची में शामिल किया है। इसके जरिये उसने यह संकेत देने की कोशिश की है कि भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तत्वों के माध्यम से ओटावा के खिलाफ जासूसी किए जाने की संभावना है। दोनों देशों के मध्य जारी कूटनीतिक विवाद के बीच, कनाडा की एनसीटीए 2025–2026 रिपोर्ट में चीन, रूस, ईरान और उ. कोरिया के बाद भारत को 5वें स्थान पर है। इस पर भारत को एक बार फिर कनाडा के उप उच्चायुक्त को तलब कर फटकार लगाते हुए यह कहना पड़ा कि यदि उसका गैर जिम्मेदाराना रवैया कायम रहा तो दोनों देशों के संबंध और बिगड़ेंगे। इससे यही पता चला कि कनाडा सरकार भारत को बदनाम करने के अभियान में लिप्त है और सनसनी फैलाने के लिए शातिर तरीके से मीडिया का सहारा ले रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के उप विदेश मंत्री की इसी हरकत पर नाराजगी जताई। यह नाराजगी सर्वथा उचित है, क्योंकि कनाडा सरकार अपने यहां के खालिस्तानियों को निशाना बनाने में भारत की लिप्तता के कोई प्रमाण देने से इन्कार कर रही है। यह किसी से छिपा नहीं कि कनाडा सरकार ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय राजनयिकों का कथित हाथ होने के प्रमाण सामने रखे बिना किस तरह भारत को कठघरे में खड़ा किया। कनाडा सरकार खालिस्तानी चरमपंथियों और आतंकियों का खुलकर साथ देने पर इस हद तक आमादा है कि इस पर गौर करने को तैयार नहीं कि ये अतिवादी तत्व भारत की एकता–अखंडता के लिए खतरा बन रहे हैं। वह यह भी नहीं देख रही कि खालिस्तानी तत्व किस तरह कनाडा में ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में भी लिप्त हैं। अब तो खालिस्तान समर्थक अपराधी गुटों में गैंगवार भी होने लगी है। चूंकि कनाडा में कुछ समय बाद चुनाव होने हैं, इसलिए वहां की सरकार खालिस्तान समर्थक तत्वों को खुश करने के लिए आगे भी भारत विरोधी रवैया अपनाए तो हैरानी नहीं। भारत को उसके खिलाफ और कठोर कदम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिवाली पर मृणाल ठाकुर की फोटो के साथ हुई छेड़छाड़, एक्ट्रेस ने पहले लगाई फटकार फिर बोलीं-उसे बुरा-भला मत कहो

बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्मों में अपनी एक्टिंग की ध ाक जमाने वाली एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस के नाम पर इंस्टाग्राम पर कई फैन पेज बने हुए है, जो एक्टर की खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते रहते हैं। इसी बीच हाल ही में दिवाली के मौके पर इंटरनेट पर एक्ट्रेस का एक वीडियो खूब वायरल हुआ, जिसमें एक शख्स मृणाल ठाकुर के साथ दिवाली मनाते हुए नजर आया। जैसे ही मृणाल की इस वीडियो पर नजर पड़ी तो एक्ट्रेस ने पहले तो इस शख्स की फटकार लगाई और फिर उसकी तारीफ करते नजर आईं। दरअसल, एक फैन ने मृणाल की फोटो को इस तरह से फोटोशॉप किया कि ऐसा लग रहा था कि एक्ट्रेस और वह एक साथ दिवाली मना रहे हैं। फोटो में शख्स सीता रामम फेम एक्ट्रेस को अपनी बांहों में जकड़े दिखाई दे रहा है। प्रशंसक ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, शदिवाली फोटो एडिटिंग। बॉलीवुड अभिनेत्री का फोटोशूट।श जैसे ही मृणाल ने यह वीडियो देखा तो पहले तो एक्ट्रेस भड़कीं और फिर उसकी तारीफ करती नजर आईं। फैन की फटकार लगाने के कुछ घंटों बाद मृणाल ठाकुर ने अपना कमेंट डिलीट कर दिया और फिर मजाकिया अंदाज में तंज कसा। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टा स्टोरी पर ये फोटोशूट पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, आशा है कि आप एक दिन अच्छी फिल्में भी एडिट करेंगे! शुभकामनाएं, हैप्पी दिवाली। वहीं अब, मृणाल ठाकुर ने सफाई देते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कहती है, दोस्तों, आप लोग बच्चे की जान लोगे क्या? मैंने वो कमेंट ऐसे कर दिया था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, पहले जब मैंने देखा मैं खुश हुई चलो किसी और के साथ ना सही इनके साथ ही मैं दिवाली तो सेलिब्रेट कर रही हूं! फिर मैंने उसका पेज खोला और फिर मैंने देखा कि उन्होंने हर एक्ट्रेस के साथ अपना वीडियो एडिट किया

> “ एक फैन ने मृणाल की फोटो को इस तरह से फोटोशॉप किया कि ऐसा लग रहा था कि एक्ट्रेस और वह एक साथ दिवाली मना रहे हैं। फोटो में शख्स सीता रामम फेम एक्ट्रेस को अपनी बांहों में जकड़े दिखाई दे रहा है। प्रशंसक ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया, दिवाली फोटो एडिटिंग। बॉलीवुड अभिनेत्री का फोटोशूट।

है! मेरा दिल टूट गया! लेकिन सच में वो बहुत अच्छी एडिटिंग करते हैं और मैं प्रार्थना करती हूं कि वह अपनी कला का उपयोग सही चीजों के लिए करें! उसे बुरा–भला मत कहो। शायद उसका इरादा बुरा नहीं था। काम की बात करें तो मृणाल ठाकुर 'जर्सी', 'सीता रामम' और 'हाय नन्ना' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखा चुकी हैं।

फैशन डिजाइनर रोहित बल को अंतिम विदाई देने पहुंचे अर्जुन रामपाल

मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल के अंतिम दर्शन के लिए बॉलीवुड स्टार अर्जुन रामपाल नई दिल्ली के लोधी रोड श्मशान घाट पहुंचे। रोहित बल की शुक्रवार रात दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। उनका अंतिम संस्कार आज पूरे विधि–विधान के साथ नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित मशान घाट में किया गया। इस दौरान बॉलीवुड स्टार अर्जुन रामपाल भी मौजूद थे। इसके साथ ही रोहित बल के दोस्त और उनके रिश्तेदार भी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। भारतीय फैशन डिजाइनर की मौत की खबर से बॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री में शोक की लहर है। रोहित बल के कलेक्शन बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में पसंद किए जाते थे। उनकी मौत पर कई मशहूर हस्तियों ने दुख जताया। रोहित बल 63 साल के थे और पिछले कई साल से दिल से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे। साल 2010 में उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। जानकारी के मुताबिक, बल का सफदरजंग एन्क्लेव के आश्लोक अस्पताल में इलाज चल रहा था। शुक्रवार को उन्हें दिल का दौरा पड़ा। डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका। भारत में फैशन सेंस को निखारने और संवारने का श्रेय बल को जाता है। खास कर मेन्स वेयर में वह एक क्रांति लेकर आए। रोहित का परिवार लंबे समय से दिल्ली में ही रह रहा था। हाल ही में बल ने अपने कलेक्शन कायनात से फैशन जगत में धूम मचा दी थी। उनके टैलेंट का लोहा बॉलीवुड ही नहीं हॉलीवुड भी मानता था। भारतीय संस्कृति को करीने से सहेजने और उसमें शालीनता का पुट बनाए रखने में माहिर थे बल। यही वजह है कि 1996 में टाइम पत्रिका ने उन्हें भारत का 'मास्टर ऑफ फैब्रिक एंड फैंटेसी' बताया था। रोहित बल को साल 2001 और 2004 में अंतर्राष्ट्रीय फैशन अवॉर्ड्स में 'डिजाइनर ऑफ द ईयर' चुना गया था। बल खुद ही कहते थे मैं हमेशा वही करता रहा जो मैं हूं और कभी भी वो नहीं किया जो बाकी लोग कर रहे थे। मेरे पास एक बहुत ही मजबूत और फोकस्ड डिजाइन फिलॉसफी है। और मैं उसको फॉलो करता हूं।

अजय देवगन, कार्तिक आर्यन की फिल्मों ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया

दिवाली के ठीक एक दिन बाद बीते शुक्रवार को बॉलीवुड की दो बड़ी फिल्में शसिंघम अगेनश और शभूल भुलैया 3श सिनेमाघरों में रिलीज हुईं। दोनों फिल्मों से लोगों को काफी उम्मीदें थीं। माना जा रहा था कि दिवाली वीकेंड के चलते इन्हें बंपर ओपनिंग मिलेगी। दोनों ने पहले दिन ही अच्छी शुरुआत की। अब दोनों फिल्मों को रिलीज हुए 3 दिन हो चुके हैं, इन्होंने पहले वीकेंड का टेस्ट पार कर लिया है। सिंघम अगेन और 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। दोनों ही वीकेंड का टेस्ट पार करती नजर आ रही हैं, लेकिन कमाई के मामले में अजय देवगन की फिल्म कार्तिक आर्यन से काफी आगे निकल गई है, जिसे अब पाना काफी मुश्किल होने वाला है। आइए आपको बताते हैं कि तीसरे दिन के आंकड़ों के साथ दोनों फिल्मों ने कितनी कमाई की।

सिंघम अगेन की कमाई

सनीलक के आंकड़ों के अनुसार, शसिंघम अगेनश ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले 2 दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया और भारत में अनुमानित 86 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन भी इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में भीड़ उमड़ी और रविवार को भी अनुमानित आंकड़े सामने आए। फिल्म ने अब तक अनुमानित 35 करोड़ रुपये कमाए हैं। ये शुरुआती आंकड़े हैं, इससे करीब पांच से सात करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। अब तक कुल आंकड़ा 121 करोड़ रुपये है।

आंकड़ों पर एक नजर डालें

पहला दिन (शुक्रवार) 43.5 करोड़ रुपये

दूसरा दिन (शनिवार) 42.5 करोड़ रुपये

तीसरा दिन (रविवार) 35 करोड़ रुपये शुरुआती रुझान

कुल कलेक्शन 121 करोड़ रुपये (अनुमानित)

भूल भुलैया 3 की कमाई

सनीलक के आंकड़ों के मुताबिक, कार्तिक आर्यन की शभूल भुलैया 3श ने अपने पहले 2 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और अनुमानित 72.50 करोड़ रुपये कमाए। शभूल भुलैया 3श का तीसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी 33.5 करोड़ रुपये के करीब रहा है। इस आंकड़े में एक से तीन करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। माना जा रहा है कि कार्तिक की फिल्म तीसरे दिन 40 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। कुल कलेक्शन पर नजर डालें तो यह 106 करोड़ के करीब है।

आंकड़ों पर एक नजर डालें

पहला दिन (शुक्रवार) 35.5 करोड़ रुपये

दूसरा दिन (शनिवार) 37 करोड़ रुपये

तीसरा दिन (रविवार) 33.5 करोड़ रुपये शुरुआती रुझान

कुल कलेक्शन 106 करोड़ रुपये (अनुमानित)

फिलहाल दोनों की कमाई पर नजर डालें तो सिंघम अगेन और भूल भुलैया कड़ी टक्कर दे रही हैं, लेकिन सिंघम अगेन 15–17 करोड़ रुपये ज्यादा कमाकर रेस में सबसे आगे चल रही है। दोनों ही फिल्मों को बड़ी फ्रेंचाइजी से जुड़े होने का खास फायदा मिल रहा है।

38 की उम्र में इस फेमस एक्ट्रेस ने 11 साल बड़े बाबा संग रचाई दूसरी शादी, मंडप में ही कोजी होता दिखा कपल

साउथ इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस दिव्या श्रीधर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हसीना को 38 की उम्र में दूसरा प्यार मिल गया है। एक्ट्रेस ने 30 अक्टूबर को 11 साल बड़े बाबा क्रिस वेणुगोपाल से शादी

रचाई है। दिव्या की शादी की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, जिसके बाद कई लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। सामने आई इन तस्वीरों में दिव्या श्रीधर और क्रिस वेणुगोपाल अपने शादी के मंडप में ही कोजी होते दिख रहे हैं। दोनों एक दूसरे के साथ काफी खुश नजर आ रहे हैं और कभी पूजा करते तो कभी एक दूजे की बाहों में पोज दे रही हैं। इस दौरान दिव्या श्रीधर पिंक कलर की साड़ी में दुल्हन बनी नजर आ रही हैं और बाबा अर्धनग्न अस्वथा, बड़ी दाढ़ी और माथे पर तिलक लगाए नजर आ रहे हैं। दोनों ने गले में हरी पत्तियों और व्हाइट पुष्प माला पहनी हुई है। इस नए–नवेले जोड़े की तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। बता दें, क्रिस वेणुगोपाल सीरियल पथारामत्तु में नजर आ चुके हैं। एक्टिंग में आने से पहले वो एक रेडियो जॉकी थे। वहीं, एक्ट्रेस दिव्या श्रीधर साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। उनकी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 75.8के लोग फॉलो करते हैं।

चप्पलों की पिटाई याद कर विक्की कौशल ने मां को दी जन्मदिन की बध ाई, शेयर की खूबसूरत बॉन्ड की तस्वीरें

विक्की कौशल फिल्मों के सुपर हीरो होने के साथ ही बेस्ट फैमिली मैन भी हैं। वे अपनी पत्नी कैटरीना कैफ, भाई सनी कौशल और माता–पिता शाम कौशल और वीना कौशल सहित अपने परिवार के साथ बहुत करीबी रिश्ता रखते हैं। वहीं, आज मां वीना कौशल के बर्थडे पर एक्टर ने उनके साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और उनके लिए एक दिल को छू लेने वाला नोट भी लिखा है। विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम पर मां वीना कौशल के साथ अपनी पहले और अब की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें दोनों कैमरे के सामने खुशी–खुशी पोज देते नजर आ रहे हैं। बचपन की तस्वीर में विक्की अपनी भाई सनी और मां संग पोज देते नजर आ रहे हैं और अब की फोटो में वह मां को पीछे से गले लगाते और हंसते हुए पोज दे रहे हैं।इस पोस्ट के कैप्शन में एक्टर ने लिखा, कूट बड़ी खादी तेरी, चप्पलां दी मार हाए...हैप्पी बर्थडे मां। काम की बात करें तो विक्की कौशल अगली बार छावा में नजर आएंगे।इसमें उनके साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

सुबह नाश्ते में बनाएं सूजी-बेसन का हेल्दी डोसा, 5 मिनट में बनेगा क्रिस्पी डोसा

आमतौर पर हर एक गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यहीं सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आप सूजी–बेसन का बना डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री

–1 कप – सूजी

–1/4 कप – बेसन

–1/2 कप – दही

–1 कप – पानी

–1/2 छोटा चम्मच – नमक

–1/4 छोटा चम्मच – बेकिंग सोडा

–1/2 चम्मच – नींबू का रस

– 1 चम्मच – तेल

स्टफिंग के लिए

1 बड़ा चम्मच – तेल

1/2 छोटा चम्मच – जीरा

1 हरी मिर्च

5–6 करी पत्ते

1 बड़ा प्याज

1 छोटा टमाटर

1 छोटी गाजर

50 ग्राम – पनीर

1/2 छोटा चम्मच – चाट मसाला

1/4 छोटा चम्मच – ग्राम मसाला

1/2 छोटा चम्मच – काली मिर्च पाउडर

नमक स्वाद अनुसार

1 बड़ा चम्मच – धनिया पत्ती

क्रिस्पी डोसा बनाएं

– सबसे पहले आप एक कटोरे में सूजी के साथ 1/2 कप दही मिला लें। इसके बाद 1/4 कप बेसन डाल दें, एक कप गेंहू का आटा। फिर इसनें पानी डालकर गढा मिक्सर बना लें। 5 से 10 मिनट तक बैटर से रेस्ट के लिए रख दें।

– अब स्टाफिंग के लिए एक पैन लें उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें और फिर प्याज को डालें। करी पत्ता डालने के बाद कद्दूकस की गई गाजर डालें फिर टमाटर डालें। अब चाट मसाला, गरम मसाला, नमक और लाल मिर्च पीसी हुई डाल दें। आप इस मिश्रण में थोड़ा पनीर भी डाल सकते हैं। अब आपकी स्टाफिंग तैयार है।

– इसके बाद रखा हुआ बैटर में नमक डालें और फिर उसमें पानी मिला दें। आखिर में बैकिंग सोड़ा डाले।

– इसके बाद आप एक डोसा तवा पर तेल डालकर। आंच को कम कर लें फिर तवा पर पानी के डालें फिर उसे क्लीन कर लें कपड़े से फिर आप बैटर को डाले। डोसा की तरह बनाएं और यह आपका डोसा तैयार है। नीचे दी गई वीडियों को जरुर देखें।

सूंघने में समस्या ? इसे नजरअंदाज न करें, गंभीर बीमारियां का हो सकता है संकेत!

क्या आपने कभी महसूस किया है कि आपकी सूंघने की क्षमता में कमी आई है? एक नए अध्ययन से पता चला है कि यह केवल एक साधारण समस्या नहीं है, बल्कि यह 139 गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का संकेत हो सकता है। जैसे–जैसे हम बड़े होते हैं, हमारी नाक और सूंघने की क्षमता कई प्रकार की बीमारियों से जुड़ी हो सकती है, जिनमें अल्जाइमर और पार्किंसंस रोग जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं। इसलिए, अगर आप महसूस कर रहे हैं कि आपकी सूंघने की क्षमता घट रही है, तो इसे हल्के में न लें। इस लेख में हम जानेंगे कि सूंघने की क्षमता में कमी के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, और किस प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं इससे जुड़ी हो सकती हैं। साथ ही, हम देखेंगे कि आप अपनी नाक और संवेदी क्षमता को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। चलिए, शुरू करते हैं!

क्या कहती है रिसर्च

फ्रंटियर्स इन मॉलिक्यूलर न्यूरोसाइंस में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर, पार्किंसंस रोग, मल्टीपल स्केलेरोसिस, हृदय रोग, कोविड–19 और अन्य 139 से अधिक गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकती है। यदि आप किसी चीज की सुगंध कम महसूस कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

सूंघने की क्षमता और स्वास्थ्य

अध्ययन में यह पाया गया है कि कई बीमारियों के साथ सूंघने की क्षमता का सीधा संबंध है। उदाहरण के लिए, पार्किंसंस रोग वाले व्यक्तियों में सूंघने की क्षमता में कमी देखी जाती है। इसी तरह, अल्जाइमर रोग से ग्रसित व्यक्तियों को ध्यान केंद्रित करने में समस्याएं हो सकती हैं, जिसमें नाक की संवेदी क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

गंध और सूजन का संबंध

अध्ययन में गंध और सूजन के बीच के संबंध का भी उल्लेख किया गया है। शोधकर्ताओं ने 139 चिकित्सा स्थितियों में सूजन की मौजूदगी देखी है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल लियोन ने कहा कि सूंघने की क्षमता को बढ़ाकर वयस्कों की याददाश्त में 226 प्रतिशत तक सुधार किया जा सकता है।

प्रमुख बीमारियां

सूंघने की क्षमता में कमी से संबंधित कुछ प्रमुख बीमारियां निम्नलिखित हैं

एलर्जी

साइनसाइटिस

अस्थमा

नाक का कैंसर

डायबिटीज

नाक से जुड़ी समस्याओं के कारण

सूंघने की क्षमता में कमी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह गंभीर बीमारियों का संकेत हो सकता है। यदि आप सूंघने की क्षमता में कमी का अनुभव कर रहे हैं, तो तुरंत चिकित्सा सलाह लें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, क्योंकि यह आपकी भलाई से जुड़ा है।

खजूर एक सुपरफूड, रोजाना 2 खजूर से महिलाओं को मिलेंगे ये अनगिनत लाभ!

खजूर एक बेहद पोषक और स्वास्थ्यवर्धक फल है, जिसे हर उम्र के लोग पसंद करते हैं। हालांकि, यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से महिलाओं को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आइए, जानते हैं खजूर खाने के कुछ प्रमुख फायदे।

प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार

खजूर प्रजनन प्रणाली के लिए बहुत लाभकारी होता है। यह न केवल प्रजनन क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि ओव्यूलेशन, हार्मोन संतुलन और प्रसव में भी सहायता करता है। खजूर के पराग से प्रजनन क्षमता और हार्मोनल समस्याओं में मदद मिल सकती है, और यह नैचुरल प्रसव की संभावना को बढ़ाने में भी सहायक है।

गर्भावस्था के लिए पोषण

गर्भवती महिलाओं के लिए खजूर का सेवन अत्यधिक फायदेमंद होता है। इसमें फोलेट की उच्च मात्रा होती है, जो भ्रूण के विकास के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, खजूर में ऐसे यौगिक होते हैं जो ऑक्सीटोसिन की नकल करते हैं, जो प्रसव के स्वस्थ संकुचन को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं।

हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार

खजूर में बोरॉन होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। महिलाओं की उम्र बढ़ने के साथ, हड्डियों का स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित रूप से खजूर का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

बालों की सेहत

खजूर में आयरन की भरपूर मात्रा होती है, जो स्कैल्प में रक्त के प्रवाह को बढ़ावा देती है और बालों के विकास में सहायता करती है। इसके अलावा, खजूर विटामिन बी5 का भी अच्छा स्रोत है, जो बालों के रोम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

त्वचा की सेहत

खजूर में विटामिन सी और डी की भरपूर मात्रा होती है, जो कोलेजन के विकास को बढ़ावा देती है और त्वचा को कोमल बनाती है। नियमित रूप से खजूर खाने से त्वचा की चमक भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य

खजूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इसका कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स रक्त शर्करा के बढ़ने की संभावना को कम करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पीएमएस में राहत

खजूर में मैग्नीशियम का उच्च स्तर होता है, जो पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। इसके बीजों और पत्तियों से निकलने वाले अर्क हानिकारक बैक्टीरिया का प्रतिरोध करने में भी सहायक होते हैं। खजूर एक सुपरफूड है, जो महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। रोजाना खाली पेट 2 खजूर खाने से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यह विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से भी राहत देता है। इसे अपने दैनिक आहार में शामिल करना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक लाभकारी है।

बेस्ट लुक के लिए जरूर ट्राई करें ये को-ऑर्ड सेट, आप पर टिक जाएगी हर नजर

हम सभी स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, जिसके लिए आए दिन फैशन ट्रेंड को फॉलो करते हैं। अक्सर हम सलवार सूट और साड़ी पहनकर बोर हो जाते हैं। ऐसे में हम कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं। ऐसे में हम को–ऑर्ड सेट के बारे में बताने जा रहे हैं। इस फेस्टिव सीजन आप इंडो–वेस्टर्न लुक वाले को–ऑर्ड सेट पहन सकती हैं। ऐसे में हम आपके लिए को–ऑर्ड सेट के कुछ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको पहनकर आपका लुक बेहद आकर्षक नजर आएगा। साथ ही इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसे कैरी करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में भी बताने जा रहे हैं। बॉडी को परफेक्ट शेप देने के लिए आप पेप्लम कुर्ती स्टाइल को–ऑर्ड सेट स्टाइल कर सकती हैं। यह आपके लुक में जान डालने का काम करेगा। इस तरह की कुर्ती के साथ मैचिंग कलर की बेल बॉटम स्टाइल पैन्ट्स कैरी कर सकती हैं। यह लुक काफी एलिगेंट और स्टाइलिश नजर आएगा। आप चाहें, तो शोल्डर के लिए ऑफ या ट्यूब टॉप स्टाइल लुक चुन सकती हैं।

क्रॉप टॉप ब्लाउज स्टाइल को–ऑर्ड सेट

आजकल क्रॉप स्टाइल ब्लाउज में सिंगल शोल्डर डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। इसके साथ में आपको स्टाइलिश डिजाइन के शरारा या घरारा देखने को मिल जाएंगे। लेटेस्ट फैशन की बात करें, तो आप दो कलर कॉम्बिनेशन को मिक्स करके भी को–ऑर्ड सेट कैरी करवा सकती हैं। वहीं मार्केट में आपको यह 1,500 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगा।

लेस डिजाइन को–ऑर्ड सेट

इस तरह लेस में आपको कई तरह की डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। अगर फैंसी लुक की बात करें, तो इसमें गोटा–पट्टी वर्क लेस वाले को–ऑर्ड सेट को सबसे अधिक पसंद किया जाने लगा है। अगर आप इसमें सोबर और सिंपल लुक चाहती हैं, तो चिकनकारी डिजाइन की व्हाइट कलर की लेस बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। आप इसको पंजाबी जूती के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

संक्षिप्त

भारत का कंप्यूटर बाजार अगले पांच वर्षो में सालाना 5.1प्रतिशत बढ़ेगा : रिपोर्ट

आजकल कंप्यूटर के बिना कोई काम होना काफी मुश्किल हो गया है। अधिकतर कामों के लिए लोग किसी ना किसी तरह से कंप्यूटर का उपयोग करते है। हर फील्ड में हर जॉब में कंप्यूटर का उपयोग होना आम है। इसी बीच एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि भारत में कंप्यूटर बाजार अगले पांच वर्षों में सालाना 5.1 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। ये रिपोर्ट एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की है। वित्तीय सूचना एवं विश्लेषण फर्म के अनुसार, अगस्त में समाप्त तिमाही में भारत में लैपटॉप का आयात पिछले वर्ष की तुलना में 10.8 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें एप्पल से जुड़े शिपमेंट का योगदान सबसे अधिक है। यदि भारत में लैपटॉप की असेंबली का विस्तार होता है, तो घटकों का आयात भी बढ़ सकता है, क्योंकि अगस्त 2024 तक 12 महीनों में मुख्य भूमि चीन और हांगकांग में कंप्यूटर घटकों (अर्धचालकों को छोड़कर) का बड़ा आयात होगा। हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि, इससे सरकार को घटक विनिर्माण के साथ–साथ संयोजन को भी पुनः स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना पड़ सकता है। ष्बाजार खुफिया फर्म का मानना घ्है कि भारत 2025 के दौरान लैपटॉप के आयात को सीमित करने वाले नियमों को फिर से लागू कर सकता है, जिसे पहले 2023 में वापस ले लिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, घरेलू विनिर्माण उद्योग के विस्तार के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों सहित अन्य नीतियों पर विचार किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में भारत के विनियामक जोखिम अपने समकक्षों की तुलना में कम हो गए हैं, जिससे वहां पुनर्स्थापन अधिक आकर्षक हो गया है। भारत धीरे–धीरे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, विशेषकर स्मार्टफोन और लैपटॉप का केंद्र बनता जा रहा है।

मारुति का अक्टूबर में यात्री कार उत्पादन 16 प्रतिशत घटा, यूटिलिटी वाहनों का 33 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अक्टूबर में अपने यात्री कार उत्पादन में 16 प्रतिशत की कटौती की है। हालांकि, इस दौरान कंपनी के यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33 प्रतिशत बढ़ा है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि

पिछले महीने उसका यात्री कारों का उत्पादन 89,174 इकाई रहा जो अक्टूबर, 2023 के 1,06,190 इकाई के आंकड़े से 16 प्रतिशत कम है। दूसरी ओर, ब्रेजा, एर्टिगा, फ्रोंक्स, जिम्नी, एक्सएल6 और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति किए जाने वाले यूटिलिटी वाहनों का उत्पादन 33.18 प्रतिशत बढ़कर 72,339 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 54,316 इकाई था। ऑल्टो तथा एस–प्रेसो सहित छोटी कारों का उत्पादन पिछले महीने घटकर 12,787 इकाई रह गया, जबकि अक्टूबर, 2023 में यह 14,073 इकाई था। इसी तरह कॉम्पैक्ट कार बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, वैगनआर और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर को आपूर्ति की जाने वाली कारों का उत्पादन पिछले साल के इसी महीने के 90,783 इकाई के आंकड़े से घटकर 75,007 इकाई रह गया। कंपनी ने बताया कि मध्यम आकार की सेडान सियाज का उत्पादन पिछले महीने मामूली रूप से बढ़कर 1,380 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 1,334 इकाई था। यात्री वाहनों का कुल उत्पादन अक्टूबर, 2023 में 1,73,230 इकाइयों की तुलना में मामूली रूप से बढ़कर 1,73,662 इकाई रहा। कंपनी ने कहा कि यात्री वाहनों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों सहित कुल वाहन उत्पादन पिछले महीने बढ़कर 1,77,312 इकाई हो गया, जो अक्टूबर, 2023 में 1,76,437 इकाई था।

छठ पर लूट! दुबई और मलेशिया जाना सस्ता, लेकिन बिहार जाना हुआ बेहद महंगा!

दिवाली के बाद छठ पूजा के लिए ट्रेन और फ्लाइट टिकटों की मांग बढ़ गई है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, देशभर से बिहार और झारखंड की उड़ानों के लिए हवाई किराया बढ़ गया है। पटना और दरभंगा के लिए उड़ानों की लागत अब दुबई, मलेशिया, बैंकॉक और सिंगापुर जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के किराए से अधिक है। रिपोर्ट में दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और सूरत सहित शहरों से बिहार की उड़ानों के लिए हवाई किराए में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत दिया गया है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैवल एजेंट राकेश अरोड़ा ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान किराए में बढ़ोतरी आम बात है, लेकिन इस साल बढ़ोतरी विशेष रूप से भारी है। ऊंची कीमतों के बावजूद, टिकटों की कमी बनी हुई है। दिल्ली और मुंबई से पटना और दरभंगा के लिए उड़ान का किराया 13,000 रुपये से 18,000 रुपये तक है। इसी तरह, 4–6 नवंबर के बीच यात्रा के लिए सूरत से पटना का किराया 13,000 रुपये से 18,000 रुपये तक है। इसकी तुलना में, दिल्ली से दुबई, मलेशिया, बैंकॉक और सिंगापुर के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का किराया वर्तमान में 10,000 रुपये से 20,000 रुपये तक है। आपको बता दें कि छठ पूजा के दौरान, देश भर से हजारों लोग यूपी, बिहार और झारखंड की यात्रा करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेनें खचाखच भरी रहती हैं। अधिक शुल्क वसूलने के बावजूद ट्रैवल एजेंट टिकट सुरक्षित नहीं कर पा रहे हैं। हवाई किराए में यह बढ़ोतरी अस्थायी है, क्योंकि छठ पूजा के बाद किराए सामान्य होने की उम्मीद है।

श्रीलंका और भारत में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गौतम गंभीर पर उठ रहे सवाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अभूतपूर्व हार ने गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त होने के बमुश्किल तीन महीने बाद ही भारी दबाव में डाल दिया है। गंभीर को काफी धूमधाम से राष्ट्रीय टीम के कोच पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन समिति की बैठक में भी शामिल किया गया था।

नयी दिल्ली। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में अभूतपूर्व हार ने गौतम गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त होने के बमुश्किल तीन महीने बाद ही भारी दबाव में डाल दिया है। गंभीर को काफी धूमधाम से राष्ट्रीय टीम के कोच पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन समिति की बैठक में भी शामिल किया गया था। राष्ट्रीय टीम के साथ उनके शुरुआती रिपोर्ट कार्ड से साफ पता चलता है कि भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज के लिए चीजें अच्छी नहीं दिख रही हैं। गंभीर को टीम चयन मामलों में भी काफी छूट दी गयी है और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगर टीम के प्रदर्शन में बड़ा सुधार नहीं होता है तो आने वाले समय में टीम से संबंधित मुद्दों पर उतनी अहम भूमिका नहीं निभा पाएंगे।गंभीर के कमान संभालने के तुरंत बाद, भारत 27 वर्षों में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय श्रृंखला हार गया और फिर न्यूजीलैंड ने रविवार को घरेलू टेस्ट में अपनी टीम का 3–0 से सफाया कर दिया। भारत का इससे पहले कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ नहीं हुआ था। टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है लेकिन स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बावजूद मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की मददगार पिच के चयन करने पर उन पर सवाल उठ रहे हैं। गंभीर हर परिस्थिति में खिलाड़ियों से एक ही जैसा रवैया चाहते है, जिसे भारतीय क्रिकेट से करीब से जुड़े लोगों के लिए भी समझना मुश्किल है। मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की दूसरी शाम तेज

गेंदबाज मोहम्मद सिराज को रात्रिप्रहरी के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर सहमति कुछ ऐसे रणनीतिक कदम हैं जिन पर हर कोई सवाल उठा रहा है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''गौतम गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया जो उनके पूर्ववर्ती रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ के पास नहीं थी। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए एक अपवाद था।'' उन्होंने कहा, ''दौरे की अहमियत को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।'' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी उन दो खिलाड़ियों में शामिल है जिन्हें मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में चुना गया है। ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला गंभीर के लिए एक कठिन परीक्षा होगी क्योंकि उन्हें कुछ दिग्गज खिलाड़ियों का बचाव करने के साथ उन्हें आईना दिखाना पड़ सकता है क्योंकि बोर्ड की उन पर पैनी नजर है।

चार साल तक साल तक पानी पिलाने के बाद मौके का पूरा फायदा उठाया विल यंग ने

मुंबई। केन विलियमसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जगह भरना आसान नहीं होता लेकिन न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3–0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे। विलियमसन चोटिल होने के कारण तीनों टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए जिससे यंग को अंतिम एकादश में जगह बनाने का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 48 रन बनाकर संकेत दे दिया था कि वह खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यंग ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद पत्रकारों से कहा,''चार साल पहले पदार्पण करने के बाद मैं टीम से अंदर बाहर होता रहा। मैं वर्षों तक रिजर्व बल्लेबाज रहा इसलिए मैं मैदान पर पानी पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी की भावना को अच्छी तरह से समझता हूं।' ' उन्होंने कहा,''जब मुझे मौका मिला तो मैं अपनी तरह से खेलने को लेकर अधिक उत्साहित था तथा मैंने केन की जगह लेने का प्रयास नहीं किया। मैंने अपना नैसर्गिक खेल खेला। मैंने इसे केन की जगह लेने के बजाय खुद के लिए बड़े मौके के रूप में देखा।'' उन्होंने कहा कि भारत दौरे से पहले स्वदेश में अभ्यास सत्रों के दौरान विलियमसन ने खिलाड़ियों को भारतीय उपमहाद्वीप में खेलने को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी जिसका टीम को फायदा मिला। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से केन चोटिल होने के कारण टीम के साथ यहां नहीं आ पाया। वह बहुत अच्छा इंसान है जिससे आप पूछ सकते हैं कि मैच की इन परिस्थितियों के बारे में वह क्या सोचते हैं।

हमने यहां आने से पहले तीन अभ्यास शिविर में भाग लिया था और वह इनमें मौजूद था।'' यंग ने तीन टेस्ट मैच में 244 रन बनाए। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में 71 और 51 रन की दो शानदार पारियां खेली जिससे न्यूजीलैंड श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

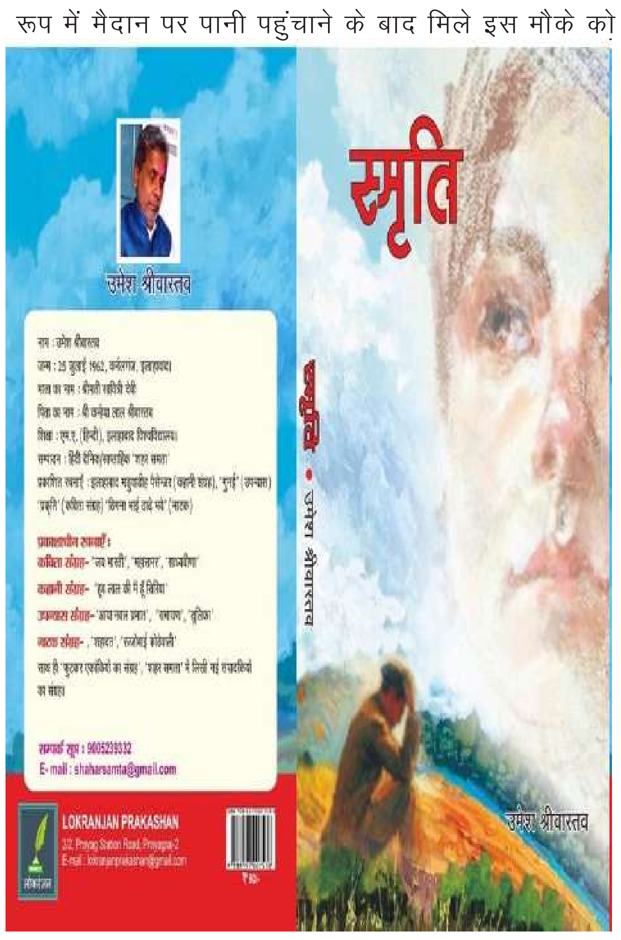

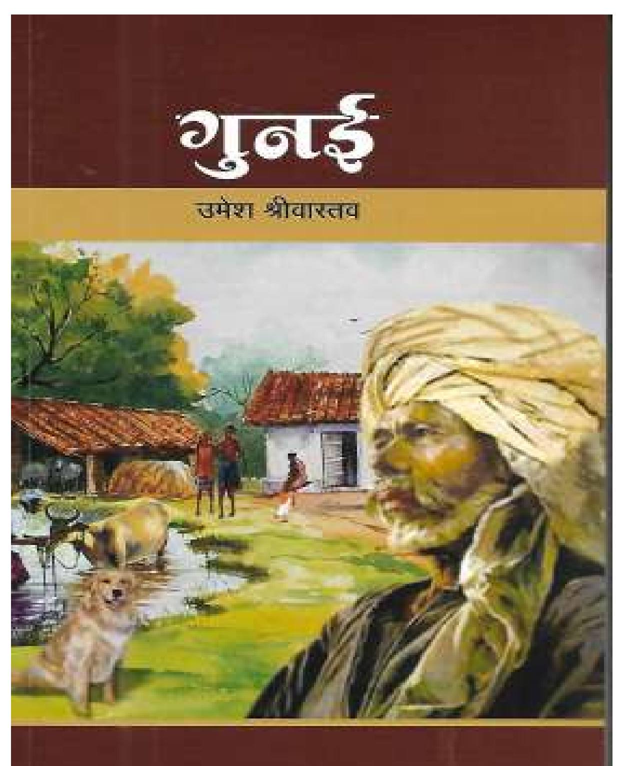

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

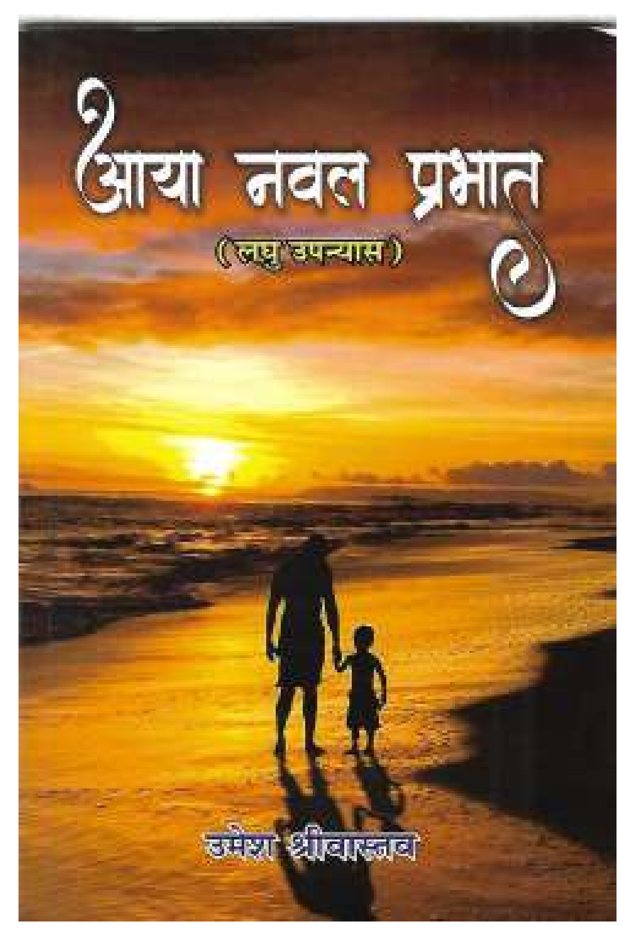

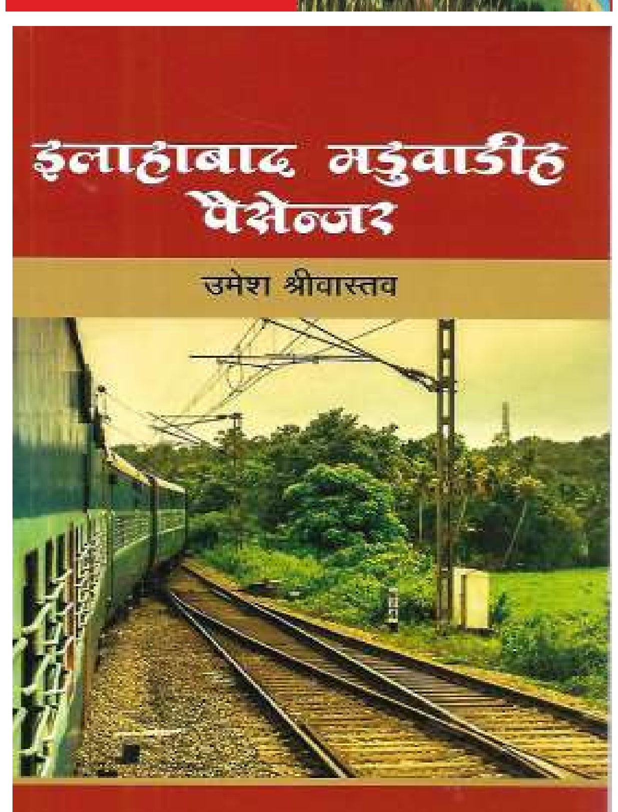

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

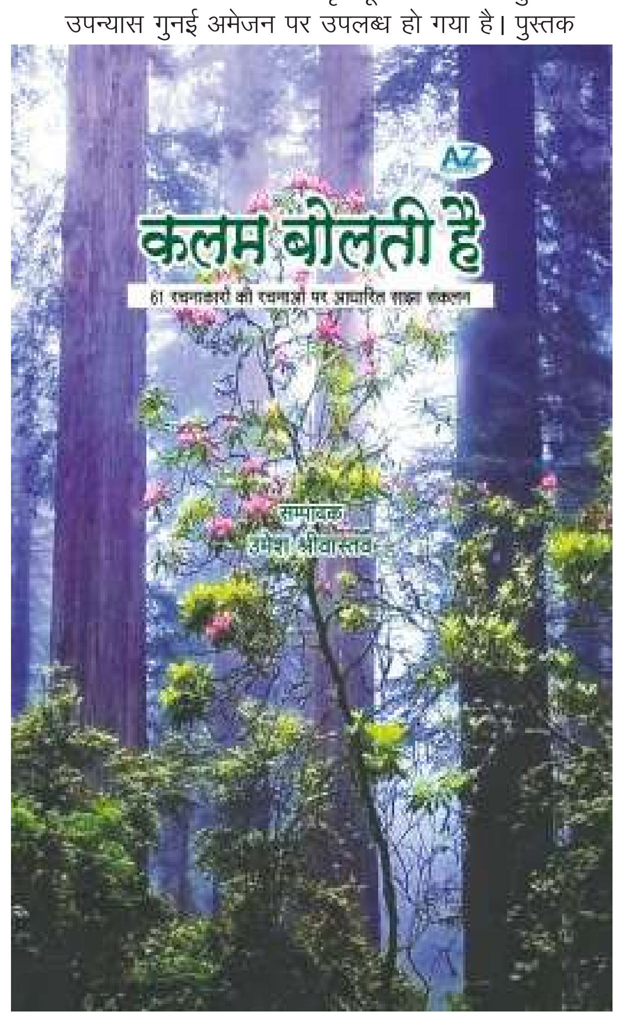

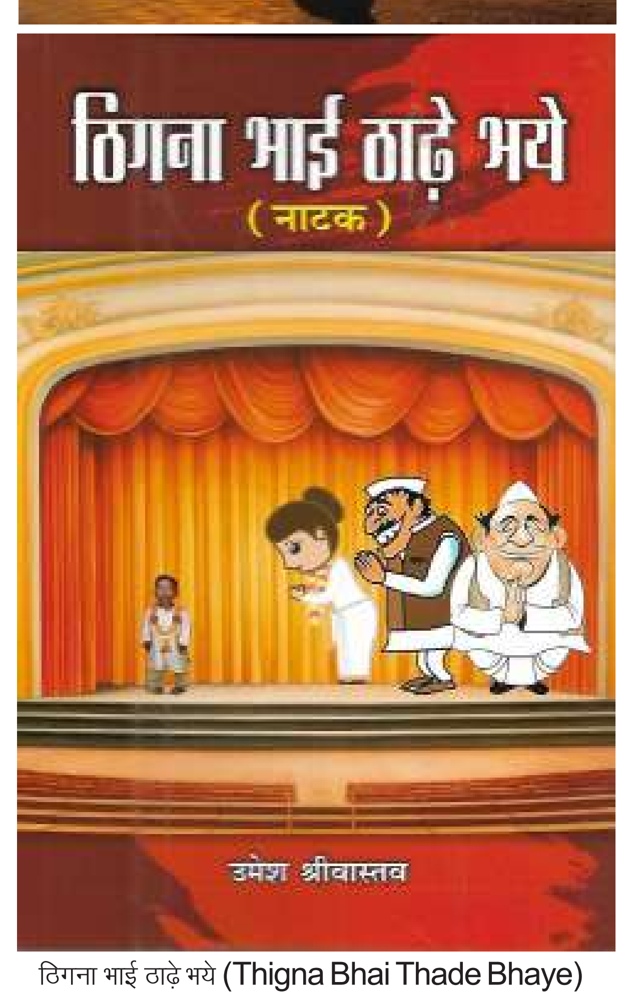

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

खतरनाक वायु गुणवत्ता के कारण लाहौर में प्राथमिक स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद

लाहौर। पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर में वायु गुणवत्ता की खतरनाक स्थिति के कारण अधिकारियों ने प्राथमिक स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया। यह कदम 1.4 करोड़ की आबादी वाले शहर में बच्चों को श्वसन संबंधी और अन्य बीमारियों से बचाने के बड़े प्रयास के तहत उठाया गया है। भारत की सीमा से लगते पूर्वी पंजाब प्रांत की राजधानी

लाहौर में पिछले महीने से ही वायु गुणवत्ता खराब होने लगी थी और विषैले धुएं से मुख्य रूप से बच्चों तथा बुजुर्गों समेत हजारों लोग बीमार होने लगे थे। सरकार ने कुछ इलाकों में निर्माण कार्य पर भी रोक लगा दी है और धुआं छोड़ने वाले वाहनों के मालिकों पर जुर्माना लगाया है। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, प्रदूषण के कारण स्कूल एक सप्ताह तक बंद रहेंगे। पंजाब पर्यावरण संरक्षण विभाग ने बताया कि हवा में प्रदूषक तत्व पीएम 2.5 की सांद्रता 450 के करीब पहुंच गई है, जिसे खतरनाक माना जाता है। लाहौर को कभी बागों के शहर के रूप में जाना जाता था, जो 16वीं से 19वीं शताब्दी तक लगभग हर जगह देखने को मिलते थे। लेकिन तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या वृद्धि की वजह से हरियाली के लिए बहुत कम जगह रह गई है।

मैं एक ऐसा राष्ट्र देखती हूं जो नफरत, भेदभाव को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है : हैरिस

वाशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि पूरे देश में अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि लोग नफरत तथा भेदभाव को खत्म करने के लिए और आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हैरिस ने मिशिगन के डेट्रॉयट स्थित एक चर्च में अपने भाषण में कहा, ''जब मैं अपने खूबसूरत देश में एक राज्य से दूसरे राज्य और एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करती हूं तो मेरे मन को काफी सुकून मिलता है। मैं एक ऐसा राष्ट्र देखती हूं जो नफरत और भेदभाव को खत्म करने और देश को आगे बढ़ाने के लिए नया मार्ग तैयार के वास्ते दृढ़ संकल्पित है।'' हैरिस ने कहा कि अपने प्रचार अभियान के दौरान उन्होंने देखा कि तथाकथित 'रेड स्टेट' (जहां मुख्य मतदाता एक तरफा रिपब्लिकन पार्टी को वोट देते हैं) और तथाकथित 'ब्लू स्टेट' (जहां मुख्य मतदाता एक तरफा डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देते हैं) के लोग इतिहास को बदलने के लिए तैयार हैं। अपने प्रचार अभियान के अंतिम चरण में हैरिस ने कहा, ''मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है। यह देखकर आपको प्रेरणा मिलेगी कि वे किस तरह बदलाव के लिए एकजुट हो रहे हैं। मुझे इस पीढ़ी के बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि वे हमेशा उत्सुक रहते हैं। जब मैं अपने देश की यात्रा करती हूं, तो मैं देखती हूं कि जो पड़ोसी कभी एक दूसरे के लिए अजनबी थे वे अब एक दूसरे की मदद कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग भेदभाव को बढ़ाना चाहते हैं, नफरत फैलाना चाहते हैं, भय फैलाना चाहते हैं और अराजकता पैदा करना चाहते हैं लेकिन ''हमारे देश में यह चीज (लोगों की एकजुटता) दलीय राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

उत्तरी यूनान में 5.2 तीव्रता का भूकंप, कोई क्षति नहीं

उत्तरी यूनान में रविवार शाम को 5.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'एथेंस इंस्टीट्यूट ऑफ जियोडायनामिक्स' ने बताया कि भूकंप यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में चालकीदिकी प्रायद्वीप के तट पर आया। उसने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 7:03 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से 15.9 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। उसने बताया कि चार मिनट बाद 4.2 तीव्रता के एक और भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। शनिवार को इसी क्षेत्र में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया था। पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इससे अभी तक किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटके उत्तरी यूनान के एक बड़े हिस्से में महसूस किये गए।

सीरिया में जमीनी हमला करके ईरान से जुड़े सीरीयाई नागरिक को पकड़ा : इजराइल

इजराइल की सेना ने रविवार को बताया कि उसने सीरिया में जमीनी हमला करके ईरान से जुड़े सीरीयाई नागरिक को पकड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में ऐसा पहली बार हुआ है जब इजराइल ने सीरिया में अपने सैनिक भेजने की जानकारी दी है, हालांकि अभी सीरिया ने इसकी पुष्टि नहीं की। इजराइल ने लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के सदस्यों और ईरान के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए बीते एक साल सीरिया में कई बार हवाई हमले किए है। ईरान हिजबुल्ला और सीरिया दोनों का करीबी सहयोगी है। लेकिन इससे पहले उसने सीरिया में अपने किसी भी जमीनी हमले की जानकारी सार्वजनिक नहीं की। इजराइली सेना के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि नौसेना के जवानों ने उत्तरी लेबनान के एक शहर में हमला करके एक व्यक्ति को पकड़ा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर का AQI 1,900 है, भारत का है पड़ोसी देश

इन दिनों वायु प्रदूषण देश भर में फैल रहा है। वायु प्रदूषण का मुद्दा हर तरफ जोर शोर से देखने और सुनने को मिल रहा है। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में वायु प्रदूषण गंभीर मुद्दा बनकर उभरा है। भारत के अलावा कई ऐसे शहर हैं जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई गंभीर श्रेणी से काफी ऊपर के स्तर पर बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर लाहौर में शनिवार को अभूतपूर्व वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फ्प्) 1900 दर्ज हुआ। इतने अधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक को देखते हुए अधिकारियों को तत्काल कदम उठाने पड़े है। इससे प्रदूषण का इतना खतरनाक स्तर स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। प्रांतीय सरकार और स्विस समूह IQAir द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार,

शनिवार को पाकिस्तान–भारत सीमा के पास अब तक का सबसे अधिक प्रदूषण दर्ज किए जाने के बाद, लाहौर रविवार को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की वास्तविक समय सूची में शीर्ष स्थान पर रहा। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना के तहत, लाहौर प्रशासन ने घर से काम करने के आदेश जारी किए हैं और विभिन्न शहरों में प्राथमिक स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने प्राथमिक स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया है और अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि बच्चे मास्क पहनें। शहर में धुंध की मोटी चादर छाई हुई है। औरंगजेब ने कहा कि वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए 50ः कार्यालय कर्मचारी घर से काम करेंगे।

लाहौर में वायु प्रदूषण का स्तर अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गयारू एडवाइजरी जारी

सरकार ने एक परामर्श भी जारी किया है जिसमें लोगों से घर के अंदर रहने, दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने तथा आवश्यक न होने पर यात्रा करने और घर से बाहर जाने से बचने का आग्रह किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सभी अस्पतालों को स्मॉग काउंटर भी दिए गए हैं और उन्हें आपातस्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। सरकार ने प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए रिक्शा नामक तिपहिया वाहनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है तथा कुछ क्षेत्रों में निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि इन नियमों का पालन न करने वाली फैक्ट्रियों और निर्माण स्थलों को बंद किया जा सकता है। पाकिस्तान ने उच्च वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया। पंजाब के वरिष्ठ मंत्री औरंगजेब ने वायु प्रदूषण की स्थिति को ष्अप्रत्याशितष् बताया और कहा कि बढ़ते हानिकारक प्रदूषण स्तर के लिए पड़ोसी भारत से आने वाली हवा को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा, ष्भारत के साथ बातचीत के बिना इसका समाधान नहीं हो सकता।ष् उन्होंने कहा कि प्रांतीय सरकार पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के माध्यम से अपने बड़े पड़ोसी देश के साथ बातचीत शुरू करेगी। लाहौर में धुंध का संकट भारत की राजधानी दिल्ली की स्थिति के समान है, जो ठंडे महीनों में और भी बदतर हो जाता है, क्योंकि तापमान व्युत्क्रमण के कारण प्रदूषण जमीन के करीब पहुंच जाता है।

ईरान में हिजाब का मुद्दा 90 साल पुराना, अंडरवियर पहने छात्रा को हिरासत में लिया

हर कोई पूछ रहा- क्या हुआ उसका

ईरान में लंबे समय से महिलाएं हिजाब का विरोध कर रही हैं। हाल ही में एक महिला ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए बीच सड़क पर अपने कपड़े उतार दिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश के सख्त इस्लामिक ड्रेस कोड के विरोध में शनिवार को महिला ने ईरानी विश्वविद्यालय में अपने कपड़े उतार दिए। सोशल मीडिया पर पोस्ट के अनुसार आजाद यूनिवर्सिटी की एक ब्रांच के सुरक्षा गार्डों को एक अज्ञात महिला को हिरासत में लेते हुए देखा जा सकता है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता आमिर महजोब ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पुलिस स्टेशन में पता चला कि वो गंभीर मानसिक दबाव से पीड़ित थी और उसे कोई मनोविकार भी था। हालांकि कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि महिला ने आपत्ति दर्ज कराने के लिए जानबूझकर अपने कपड़े उतारे थे। कुछ रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि लड़की के साथ कैंपस पुलिस ने गलत बर्ताव किया जिसके

विरोध में उसने यह कदम उठाया। ईरानी पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने इस घटना के संबंध में लिखा, ईरान में, यूनिवर्सिटी मोरैलिटी पुलिस ने ष्अनुचितष् हिजाब के कारण एक छात्रा को परेशान किया लेकिन उसने पीछे हटने से इनकार कर दिया। ईरान की सरकारी एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क महानिदेशक आमिर महजोब ने घटना पर जवाब दिया। उन्होंने दावा किया कि छात्रा ने अनैतिक कार्य किया था। जांच से पता चला है कि छात्रा मानसिक दबाव में थी। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि परिसर की सुरक्षा ने लड़की के साथ यौन उत्पीड़न किया।

हिजाब का मुद्दा वर्षों पुराना 8 जनवरी 1936 को रजा शाह ने कश्फ–ए–हिजाब लागू किया। यानी अगर कोई महिला हिजाब पहनेगी तो पुलिस उसे उतार देगी। 1941 में शाह रजा के बेटे मोहम्मद रजा ने शासन संभाला और कश्फ–ए–हिजाब पर रोक लगा दी। उन्होंने महिलाओं को अपनी पसंद की ड्रेस पहनने की अनुमति दी। 1963 में मोहम्मद रजा शाह ने महिलाओं को वोट देने और संसद के लिए चुने जाने का अधिकार दिया। 1967 में ईरान के पर्सनल लॉ में सुधार हुआ और महिलाओं को बराबरी के हक मिले।

इस देश में गुस्साए लोगों ने अपने राजा का किया गालियों से स्वागत, फेंके अंडे और कीचड़, वजह जानकर चौंक जाएंगे आप

स्पेन के राजा फिलिप टप् का विरोध उनकी ही जनता ने किया। स्पेन के राजा जब बाढ़ प्रभावितों से मिलने के लिए जब पेपोर्टा पहुंचे तो वहां पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्पेन के राजा पर मर्डरर–मर्डरर और गेट आउट–गेट आउट के साथ ही उन पर कई सारे समाना फेंके गए। अंडे, कीचड़ फेंकने के साथ ही उन्हें भद्दी–भद्दी गालियां भी दी गईं। जब राजा ने लोगों से बात हो रही है। इससे एक बड़ा इलाका प्रभावित हुआ है। कहा जा रहा है कि 1967 की बाढ़ के बाद ये यूरोप में आया बेहद ही खतरनाक बाढ़ है जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। इसके लिए स्पेन की सरकार लगातार काम कर रही है। पर लोगों के बीच जब स्पेन के राजा पहुंचे तो उनका गुस्सा उन पर फूट पड़ा। तस्वीरों में वो वहां से जाते हुए नजर आए। उनको उनके

सिक्योरिटी गार्ड्स बचाने की कोशिश करते हैं लेकिन उन पर लगातार हमले होते हैं। उनके साथ मौजूद लोगों के साथ धक्का मुक्की होती है। यहां तक की एक व्यक्ति छड़ी से उन्हें मारने की कोशिश तक करता है। स्पेन के पूर्वी हिस्से में अचानक आई भीषण बाढ़ के तीन दिन बाद बचावकर्मी फंसी कारों और इमारतों में शवों की तलाश कर रहे थे। कई लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ इतनी विनाशकारी थी कि यह करने की कोशिश की तो लोग उन पर चिल्लाने लगे। पुलिस को उन्हें रोकने के लिए सामने आना पड़ा। कीचड़ से राजा को बचाने के लिए छाते खोले गए। स्पेन से आई इन तस्वीरों के बाद अब मिली–जुली प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है। पेपोर्टा के आम लोगों ने राजा का खूब विरोध किया। उन्हें बचाने के लिए उनके सिक्योरिटी गार्ड्स ने छातों का सहारा लिया। लेकिन उससे काम नहीं बना। इससे पहले के किंग फिलिप और क्वीन लेतिजिया को यहां पर लोगों से हाथ मिलाते हुए देखा गया था। आपको बता दें कि स्पेन अब तक की सबसे भयावह बाढ़ से जूझ रहा है। स्पेन में बाढ़ ने ऐसी तबाही मचाई है कि लोगों में गुस्सा पनप रहा है। 200 से ज्यादा लोगों की मौत रास्ते में आने वाली हर चीज को बहा ले गई। कई सड़कें अब भी वाहनों के ढेर और मलबे के कारण अवरुद्ध हैं, कुछ स्थानों पर लोग अपने घरों में ही फंसे हुए हैं। कुछ स्थानों पर अब भी बिजली, पानी या टेलीफोन जैसी सुविधाओं का अभाव है। तूफान से क्षति ने सुनामी के बाद की याद दिला दी। यह स्पेन के लोगों के लिए उनके जीवन की सबसे घातक प्राकृतिक आपदा थी। वैज्ञानिक इसे जलवायु परिवर्तन से जोड़ते हैं जो स्पेन में बढ़ते उच्च तापमान और सूखे तथा भूमध्य सागर के गर्म होने का एक कारण है। स्पेन दो साल से सूखे से जूझ रहा है जिससे बाढ़ की स्थिति और बदतर हो गई क्योंकि सूखी जमीन इतनी सख्त थी कि यह बारिश का ज्यादा पानी नहीं सोख सकी।

कनाडा में खालिस्तानियों ने लांघी सीमा, हिंदुओं पर हमले के बाद भड़के सांसद ने कहा- रेड लाइन हो गई क्रास

कनाडा में हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमला देखने को मिल रहा है। एक तरफ खालिस्तानी उन्हें मारते हैं तो दूसरी तरफ कनाडा की पुलिस भी कुछ ऐसा ही करती नजर आती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि कनाडा से आई तस्वीरों में साफ तौर पर नजर आया कि कनाडा की पुलिस भारतीय समुदाय के साथ धक्का मुक्की उन्हें मारते हुए नजर आ रही है। उसके बाद वहां मौजूद लोगों ने जब पुलिस पर उंगली उठाई तो तमाम पुलिसवाले भारतीयों के खिलाफ हो गए। लेकिन उन्होंने एक बार भी खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ नहीं बोला। कनाडा में जो रवैया सरकार का है वहीं रवैया पुलिस का भी है। खालिस्तानी इसका फायदा उठाकर हिंदू धर्म स्थलों को निशाना बना रहे हैं। कनाडा के ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लाठी डंडों से हमला किया गया। प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में लोग हाथापाई और एक–दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं और यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है। कनाडा में हिंदुओं पर हुए हमले की अब पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने इस हमले को लेकर कहा कि खालिस्तानियों ने अब रेड लाइन पार कर दी है। चंद्र आर्य ने कहा कि ब्रैम्पटन में एक मंदिर में हिंदू कनाडाई भक्तों पर हमला किया। ये हमला कोई रोड पर नहीं था बल्कि परिसर के भीतर घुसकर लाठी डंडों से मारा गया। चंद्र आर्य ने कहा कि ये बताता है कि कनाडा में खालिस्तानी हिंसक चरमपंथ कितना गहरा और बेशर्म हो गया है। मुझे लगने लगा है कि इन रिपोर्टों में सच्चाई है कि कनाडा के राजनीतिक तंत्र के अलावा खालिस्तानियों ने हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में भी घुसपैठ कर दी है। मैं लंबे समय से कह रहा हूं कि हिंदू कनाडाई लोगों को अपने समुदाय की सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा किए गए हमले की निंदा करते हुए कहा कि प्रत्येक कनाडाई को अपनी आस्था का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

लास्ट मोमेंट कैंपेन में कमला हैरिस ने लगा दिया एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर, अमेरिकी चुनाव इस बार जाएगा किस ओर?

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। 5 नवंबर को अमेरिकी जनता अपना अगला राष्ट्रपति चुनने के लिए वोट डालेगी। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करने वाली कमला हैरिस के बीच ये मुकाबला है। अपनी–अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दोनों उम्मीदवार एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस मिशिगन के डेट्रॉयट स्थित एक चर्च में अपने भाषण में कहा कि जब मैं अपने खूबसूरत देश में एक राज्य से दूसरे राज्य और एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करती हूं तो मेरे मन को काफी सुकून मिलता है। इस दौरान ब्रेंडन गुटेनश्वेगर द्वारा फिल्माए गए फुटेज में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली में भीड़ को जयकार करते और ताली बजाते हुए सुना जा सकता है। कमला हैरिस ने कहा कि मैं देखती हूं कि हमारे यहां युवा पीढ़ी, युवा नेताओं की संख्या अच्छी खासी है। यह देखकर आपको प्रेरणा मिलेगी कि वे किस तरह बदलाव के लिए एकजुट हो रहे हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।